RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2023-2024

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक- 39 | भीलवाड़ा, सोमवार, 30 मार्च 2026 | पृष्ठ-04 | मूल्य-04 रूपये

राज्यों में चुनावी सरगर्मियां तेज: पश्चिम बंगाल में कांग्रेस ने 284 सीटों पर उतारे उम्मीदवार, असम से लेकर दक्षिण तक सियासी पारा हाई

▪ स्मार्ट हलचल

दिल्ली/कोलकाता। आगामी चुनावों की सुगबुगाहट के साथ ही देश के विभिन्न राज्यों में राजनीतिक हलचल ने जोर पकड़ लिया है। चुनाव की तारीखें जैसे-जैसे करीब आ रही हैं, राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीतियों को जमीन पर उतारना शुरू कर दिया है। जनसभाओं, रैलियों और उम्मीदवारों के मंथन के बीच पश्चिम बंगाल, असम और दक्षिण भारत के राज्यों में चुनावी माहौल पूरी तरह से गरमा गया है।

पश्चिम बंगाल: कांग्रेस ने खोला मोर्चा, 284 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

आगामी चुनावों के लिहाज से पश्चिम बंगाल में सियासी बिसात बिछ चुकी है। राज्य में अपनी खोई हुई सियासी जमीन वापस पाने और सत्ताधारी दल सहित अन्य प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी टक्कर देने के उद्देश्य से कांग्रेस ने बड़ा चुनावी दांव चला है। पार्टी ने राज्य की 284 विधानसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

इस सूची में सबसे ज्यादा चर्चा दिग्गज कांग्रेसी नेता अधीर रंजन चौधरी की है। पार्टी ने उन्हें एक बार फिर उनकी पारंपरिक और मजबूत पकड़ वाली 'बहरामपुर' सीट से चुनावी मैदान में उतारा है। बहरामपुर से उनकी उम्मीदवारी ने इस क्षेत्र के मुकाबले को बेहद दिलचस्प और हाई-प्रोफाइल बना दिया है। भारी संख्या में उम्मीदवारों को उतारकर कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि वह इस बार आर-पार की लड़ाई के मूड में है।

असम और दक्षिण के राज्यों में गरमाया माहौल

चुनावी गहमागहमी का यह असर केवल पश्चिम बंगाल तक ही सीमित नहीं है। पूर्वोत्तर में असम और दक्षिण भारत के चुनावी राज्यों में भी प्रचार अभियान अपने चरम की ओर बढ़ रहा है। इन राज्यों में सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों के बड़े नेताओं के बीच तीखी बयानबाजी और वार-पलटवार का दौर शुरू हो गया है।

जनसभाओं में स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ राष्ट्रीय विषयों को उठाकर जनता को साधने की कोशिश की जा रही है। नेताओं के आक्रामक भाषणों और आरोप-प्रत्यारोप के कारण इन राज्यों का राजनीतिक तापमान काफी बढ़ गया है।

आगे की राह

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, आने वाले कुछ हफ्तों में यह चुनावी घमासान और भी तेज होगा। सभी राजनीतिक दल जल्द ही अपने घोषणापत्रों और स्टार प्रचारकों की रैलियों के जरिए मतदाताओं को लुभाने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहेंगे। फिलहाल, पूरे देश की निगाहें इन राज्यों में पल-पल बदलते सियासी समीकरणों पर टिकी हुई हैं।

राजस्थान मौसम अपडेट 31 मार्च तक बारिश-आंधी का अलर्ट, कई जिलों में ओलावृष्टि की संभावना

▪ स्मार्ट हलचल

जयपुर/ जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र ने प्रदेश में 31 मार्च तक बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। रविवार को चार जिलों में बारिश के साथ ओले गिरने की भी चेतावनी दी गई है।

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से शनिवार से मौसम में बदलाव देखने को मिला। बीकानेर संभाग में दोपहर बाद हल्की बूंदाबांदी हुई, जबकि जयपुर, कोटा समेत कई जिलों में दिनभर तेज धूप रही। सीकर में भी दोपहर बाद बादल छाए और तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई।

पिछले 24 घंटों में अधिकांश क्षेत्रों में तेज धूप के कारण गर्मी बनी रही, लेकिन बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू के कुछ हिस्सों में धूलभरी हवाओं के बाद हल्की बारिश हुई। जैसलमेर के सीमावर्ती इलाकों में भी देर रात बादल छाए रहे।

कोटा और चित्तौड़गढ़ में सबसे अधिक गर्मी दर्ज की गई, जहां तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। जयपुर का अधिकतम तापमान 34.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग के अनुसार आज प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश की संभावना है। खासकर जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में ओलावृष्टि हो सकती है। अप्रैल के पहले सप्ताह में भी इस सक्रिय सिस्टम का असर जारी रहने के संकेत हैं, जिससे फिलहाल तेज गर्मी से राहत मिलने की संभावना है।

प्रदेश का अधिकतम व न्यूनतम तापमान: अजमेर में अधिकतम 34.3 और न्यूनतम 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वनस्थली (टोंक) में 36.7/18.8, अलवर में 34.5/17.4, जयपुर में 34.9/21.8, पिलानी (झुंझुनूं) में 34.7/17.6 और सीकर में 34.0/15.5 डिग्री रहा। कोटा और चित्तौड़गढ़ में सबसे अधिक तापमान 38.4/21.8 और 38.4/21.0 दर्ज किया गया।

उदयपुर में 35.1/20.4, बाड़मेर में 37.1/24.3, जैसलमेर में 37.0/22.6, जोधपुर में 36.0/21.2 और बीकानेर में 36.2/22.2 डिग्री दर्ज हुआ। चूरू में 36.4/17.4, श्रीगंगानगर में 35.4/18.5, नागौर में 33.9/18.7 और बारां में 35.8/17.7 डिग्री रहा।

जालौर में 34.5/24.1, सिरोही में 30.6/17.7, फतेहपुर (सीकर) में 35.0/14.9, करौली में 35.1/18.0, दौसा में 35.4/16.8, झुंझुनूं में 34.3/18.3 और पाली में 34.2/18.0 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

1 अप्रैल से बदल जाएंगे आपकी जेब से जुड़े ये 5 बड़े नियम, सीधा होगा आम आदमी पर असर

▪ स्मार्ट हलचल

नई दिल्ली। नए वित्त वर्ष (2026-27) का आगाज 1 अप्रैल से होने जा रहा है। हर साल की तरह इस बार भी पहली तारीख से कई वित्तीय और व्यापारिक नियमों में बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। इन बदलावों का सीधा असर आपकी रसोई के बजट से लेकर सड़क पर सफर करने तक पड़ेगा। यदि आप समय रहते इन नियमों के प्रति सचेत नहीं हुए, तो आपको आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

यहाँ उन 5 मुख्य बदलावों का विस्तृत विवरण है जो 1 अप्रैल से लागू होंगे:

1. **नेशनल हाईवे पर सफर होगा महंगा:** फास्टैग और टोल दरों में वृद्धि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के निर्देशानुसार, 1 अप्रैल से देश के अधिकांश नेशनल हाईवे और एक्सप्रेस-वे पर टोल टैक्स की दरों में 5% से 10% तक की बढ़ोतरी होने जा रही है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने टोल प्लाजा पर नई दरों को लागू करने की तैयारी पूरी कर ली है। इसके साथ ही, फास्टैग (FASTag) के केवाईसी (KYC) नियमों को लेकर भी सख्ती बरती जाएगी; जिन वाहनों का केवाईसी अपडेट नहीं है, उनके फास्टैग ब्लैकलिस्ट किए जा सकते हैं।

2. **एटीएम (ATM) से कैश निकासी** के नए नियम बैंकिंग सेक्टर में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। कई प्रमुख बैंकों ने एटीएम से मुफ्त ट्रांजैक्शन की सीमा और उसके बाद लगने वाले सेवा शुल्क (Service Charge) में बदलाव करने का निर्णय लिया है। अब निर्धारित सीमा से अधिक बार पैसे निकालने पर ग्राहकों को पहले के मुकाबले अधिक शुल्क देना होगा। बैंकों का तर्क है कि एटीएम के रखरखाव और सुरक्षा पर बढ़ते खर्च के कारण यह कदम उठाना अनिवार्य हो गया है।

3. **एलपीजी (LPG) और सीएनजी (CNG) की नई कीमतें** हर महीने की पहली तारीख को तेल और गैस कंपनियां ईंधन की कीमतों की समीक्षा करती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में हो रहे उतार-चढ़ाव को देखते हुए, 1 अप्रैल को घरेलू रसोई गैस (LPG) और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में बदलाव की पूरी संभावना है। इसके साथ ही वाहन चालकों के लिए सीएनजी और पीएनजी की दरों में भी संशोधन हो सकता है।

4. **बीमा प्रीमियम** में हो सकती है बढ़ोतरी बीमा नियामक IRDAI के नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, 1 अप्रैल से कुछ विशेष प्रकार की बीमा पॉलिसियों (जैसे कि थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस) के प्रीमियम में वृद्धि हो सकती है। नए वित्त वर्ष से कंपनियों को अपने सरेंडर वैल्यू और रिटर्न नियमों में भी पारदर्शिता बरतनी होगी, जिसका असर नई पॉलिसी लेने वाले ग्राहकों पर पड़ेगा।

5. **टैक्स और निवेश** से जुड़े नियमों में बदलाव इनकम टैक्स से जुड़े कुछ नए प्रावधान और निवेश की समय सीमा भी 1 अप्रैल से प्रभावी होगी। यदि आपने पिछले वित्त वर्ष के लिए टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट पूरे नहीं किए हैं, तो 31 मार्च आखिरी मौका है। 1 अप्रैल से नई टैक्स व्यवस्था (New Tax Regime) के तहत कुछ छोटे बदलावों को भी लागू किया जा सकता है, जो वेतनभोगी वर्ग के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

31 मार्च को आ सकता है 12वीं का रिजल्ट, 9 लाख छात्रों का इंतजार खत्म, अजमेर से होगा ऐलान

▪ स्मार्ट हलचल

अजमेर/ राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 12वीं के परिणाम को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के अनुसार बोर्ड 31 मार्च को 12वीं के नतीजे घोषित कर सकता है। अजमेर स्थित बोर्ड मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए रिजल्ट जारी किया जाएगा, जिसमें शिक्षा मंत्री के साथ बोर्ड के चेयरमैन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

रिजल्ट घोषित होते ही लाखों छात्र-छात्राओं का लंबा इंतजार खत्म हो जाएगा। छात्र अपना परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट rajeduboard.rajasthan.gov.in और rajasthan.gov.in पर जाकर देख सकेंगे। इसके लिए उन्हें अपना रोल नंबर दर्ज करना होगा। साथ ही छात्र अपनी डिजिटल मार्कशीट भी डाउनलोड कर सकेंगे, जिसका उपयोग अस्थायी रूप से प्रवेश और अन्य प्रक्रियाओं में किया जा सकेगा।

इस वर्ष आरबीएसई 12वीं की परीक्षाए12 फरवरी से 11 मार्च तक प्रदेशभर में आयोजित की गई थीं। परीक्षा में 9 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए। संकायवार आंकड़ों पर नजर डालें तो आर्ट्स में सबसे अधिक करीब 6 लाख विद्यार्थी परीक्षा में बैठे, जबकि विज्ञान संकाय में लगभग 2.20 लाख और कॉमर्स संकाय में करीब 80 हजार परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। बोर्ड ने सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के बीच सफलतापूर्वक परीक्षाएं संपन्न कराईं।

बोर्ड के नियमों के अनुसार प्रत्येक विषय में न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। यदि कोई छात्र एक या दो विषयों में असफल रहता है, तो उसे कंपार्टमेंट परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया जाएगा। यह परीक्षा आमतौर पर सितंबर महीने में आयोजित की जाती है, जिससे छात्रों का एक साल खराब होने से बच सके।

\इसके अलावा जो छात्र अपने प्राप्त अंकों से संतुष्ट नहीं होंगे, वे पुनर्मूल्यांकन (स्क्रूटनी) के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया के तहत उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच की जाती है, जिससे अंकों में सुधार की संभावना रहती है।

रिजल्ट जारी होने के बाद कॉलेज एडमिशन की प्रक्रिया भी तेज हो जाएगी। खासतौर पर साइंस और कॉमर्स के छात्रों के लिए विभिन्न प्रोफेशनल कोर्सेस में प्रवेश की दौड़ शुरू होगी, वहीं आर्ट्स के छात्र भी स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन करेंगे।

अब पूरे प्रदेश के 9 लाख से ज्यादा छात्र-छात्राओं की नजरें 31 मार्च पर टिकी हैं, जब उनकी मेहनत का परिणाम सामने आएगा और उनके भविष्य की दिशा तय होगी।

अर्थव्यवस्था की रफ्तार पर ब्रेक: वित्त मंत्रालय ने माना, ग्लोबल संकटों से बढ़ी चुनौती

▪ स्मार्ट हलचल

नई दिल्ली। देश की आर्थिक सेहत को लेकर वित्त मंत्रालय ने चिंता जताई है। मंत्रालय की ताजा समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार अब धीमी पड़ती दिख रही है। इसके पीछे वैश्विक स्तर पर बिगड़े हालातों को मुख्य कारण माना गया है।

सुस्त रफ्तार की 3 बड़ी वजहें:

कच्चे तेल की मार: अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने घरेलू बाजार पर दबाव बनाया है।

लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन: वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन बाधित होने और माल ढुलाई (Logistics) महंगी होने से उत्पादन लागत में इजाफा हुआ है।

महंगाई का खतरा:

मंत्रालय ने संकेत दिए हैं कि इन कारणों से आने वाले दिनों में आम जनता पर महंगाई का बोझ और बढ़ सकता है।

सरकार अब इन चुनौतियों से निपटने के लिए नई रणनीतियों पर विचार कर रही है, ताकि विकास दर को फिर से पटरी पर लाया जा सके।

भीलवाड़ा पुलिस का तस्करो पर प्रहार

कार से मिला अवैध मादक पदार्थ, 101 किलो डोडा चूरा के साथ आरोपी गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। एसपी धर्मेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में भीलवाड़ा द्वारा लगातार अपराधियो और अपराधो पर शिंकजा कसा जा रहा है। पुलिस थाना पुर और डीएसटी ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरूद्ध बडी कार्यवाही को अंजाम दिया है और दिल्ली पासिंग वरना कार से 101 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा जप्त कर आरोपी हरदेव सिंह को गिरफतार किया है । एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी व लोकल एवं स्पेशल एक्ट की प्रभावी कार्यवाही के लिए एएसपी मुख्यालय पारस जैन, एएसपी बुद्धराज सहाडा के निर्देशन व मांडल वृताधिकारी राहुल

जोशी वृत माण्डल के सुपरविजन में डीएसटी भीलवाडा एवं थाना पुर से टीम का गठन किया गया।

पुलिस ने इस तरह पकड़ा अवैध मादक पदार्थ और तस्कर को

दिनांक 27 मार्च को डीएसटी भीलवाडा से कांस्टेबल रमेश ने पुर थाने पर सुचना दी कि एनएच 48 पर हमीरगढ से मांडल जाने वाली लेन पर पुर पुलिया से आगे एक संदिग्ध हुण्डई वरना कार डीएल 11 सीबी 4105 जो बहुत तेज गति मे होने से हाथी भाटा आश्रम कट के पास हाईवे के डिवाइडर से टकरा गई है जो क्षतिग्रस्त हालात मे है, तथा उक्त वाहन में मादक पदार्थ होने की संभावना है, आदि सुचना पर आयुष श्रोत्रिय आईपीएस प्रषिक्षु हाल कार्यवाहक एचएसओ थाना पुर मय जाप्ता के मौके पर पहुंचे और वाहन की तलाशी ली । उक्त वाहन में बिना लाईसेंस व परमिट के प्लास्टिक के कट्टो मे अवैध मादक पदार्थ होना पाया गया । जिस पर वाहन से कुल 101 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा को मय वाहन के जप्त किया गया तथा आरोपी हरदेव सिंह पिता मानसिंह उम्र 39 साल निवासी मुबारिक पुर थाना नोगांवा जिला अलवर को गिरफतार किया । पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी से इस तरह के अन्य नेटवर्क का पता लगाने में जुट गई है ।

गठित पुलिस टीम यह रही

आयुष श्रोत्रिय आईपीएस प्रो. हाल कार्यवाहक थानाधिकारी थाना पुर भीलवाडा, कांस्टेबल विक्रम सिंह थाना पुर, डीएसटी से रमेश (विशेष योगदान), कांस्टेबल रूप सिंह, सुर्य प्रकाश देवांश चालक कांस्टेबल आरपीएल शामिल थे ।

कोटड़ी ग्रिड पर लगा पावर ट्रांसफार्मर

किसानों को कम वोल्टेज व बार-बार ट्रिपिंग से मिलेगी राहत

▪ स्मार्ट हलचल

सवाईपुर / कोटडी उपखंड क्षेत्र के आसपास के गांवों में किसानों को लंबे समय से आ रही विद्युत लोड संबंधी समस्या के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सेन द्वारा समस्या को विधायक गोपीचंद मीणा के समक्ष रखी गई । जिस पर विधायक गोपीचंद मीणा ने त्वरित संज्ञान लेते हुए निगम अधिकारयों को तुरंत निर्देशित किया, जिससे विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में 33/11 केवी ग्रिड कोटड़ी पर स्थापित पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता में वृद्धि की गई है । पूर्व में स्थापित 3.15 एमवीए क्षमता के ट्रांसफार्मर के स्थान पर अब 5 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है । इस उन्नयन से क्षेत्र में बढ़ते विद्युत भार को संतुलित करने में सहायता मिलेगी तथा विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार होगा । ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ने से उपभोक्ताओं को कम वोल्टेज, बार-बार ट्रिपिंग एवं ओवरलोडिंग जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी । इस दौरान सहायक अभियंता राहुल जीनगर, कनिष्ठ अभियंता महावीर बेसला, चंद्रप्रकाश जीनगर, भेरू अहीर, सुरेश गुर्जर, मनोहर वैष्णव आदि कई मौजूद रहे ।।

मंगरोप में फिर पनपा अवैध शराब कारोबार,सुबह 8 बजे से ही मिलने लगी शराब—प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

▪ स्मार्ट हलचल

मंगरोप।कस्बे में एक बार फिर अवैध शराब कारोबार सरकारी ठेकेदार के जरिए तेजी से पैर पसारता नजर आ रहा है।सुबह 8 बजते ही शराब की उपलब्धता शुरू हो जाने से स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है।गौरतलब है कि करीब दो महीने पहले आबकारी विभाग ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए शराब माफियाओं पर सख्ती बरती थी और शराब की अवैध बिक्री पर लगभग पूरी तरह रोक लगा दी थी।लेकिन अब हालात फिर बदलते दिख रहे हैं।आरोप है कि उन्हीं अवैध शराब माफियाओं को दोबारा अवैध ब्रांचों के जरिए सक्रिय होने की खुली छूट मिल गई है,जिससे शराब ठेकेदारों की आमदनी में इजाफा

हो रहा है।जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र में करीब 27 अवैध शराब की ब्रांचें संचालित हो रही हैं।जो नियमों को खुलेआम चुनौती दे रही हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस पूरे मामले की जानकारी पुलिस और आबकारी विभाग के कुछ अधिकारियों को भी है।लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान देने के बजाय अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं।स्थिति यह है कि कई जगह शराबी ठेके के बाहर ही खड़े होकर शराब का सेवन करते दिखाई देते हैं।इसका सीधा असर बच्चों और युवाओं पर पड़ रहा है।चिंताजनक बात यह है कि कुछ नाबालिग भी इस नशे की चपेट में आते नजर आ रहे हैं,जिससे सामाजिक वातावरण बिगड़ने का खतरा बढ़ गया है।कस्बे के जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध शराब कारोबार पर तुरंत सख्त कार्रवाई कर इसे पूरी तरह बंद कराया जाए,ताकि युवाओं और आने वाली पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभाव से बचाया जा सके।

रायला थाने पर सीएलजी मीटिंग

'न पेट्रोल खत्म, न गैस की किल्लत, कालाबाजारी पर रोक, अफवाहों से रहें दूर'

▪ स्मार्ट हलचल

रायला । रायला थाने में रविवार को हुई सीएलजी मीटिंग में साफ संदेश दिया गया—घबराने की जरूरत नहीं है। थानाधिकारी मूलचंद वर्मा ने कहा कि क्षेत्र में पेट्रोल और गैस की कोई कमी नहीं है, सब कुछ सामान्य रूप से उपलब्ध है। उन्होंने लोगों को चेताया कि अफवाहों के चक्कर में आकर बेवजह स्टॉक न करें। "अगर कोई पेट्रोल या गैस की कालाबाजारी करता मिला तो सीधे कानूनी कार्रवाई होगी," वर्मा ने सख्त लहजे में कहा। बैठक में मौजूद लोगों ने भी भरोसा दिलाया कि वे न सिर्फ अफवाहों से दूर रहेंगे, बल्कि दूसरों को भी जागरूक करेंगे और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का पूरा सहयोग करेंगे।

मांडल में बेखौफ बदमाशों का आतंक : बरामदे में सो रही महिला के कान चीरकर ले गए सोने के झुमके, इलाके में दहशत

▪ स्मार्ट हलचल । भीलवाड़ा

जिले के मांडल थाना क्षेत्र के गाडरी खेड़ा गांव में शनिवार रविवार की मध्यरात्रि करीब 3 बजे मानवता को शर्मसार करने वाली लूट की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बेखौफ बदमाशों ने घर में घुसकर सो रही एक बुजुर्ग महिला के कान के झुमके इस कदर बेरहमी से छीने कि महिला के कान फट गए। लहूलुहान हालत में महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है ।

बाड़े की दीवार फांदकर घर में घुसा बदमाश

मांडल थाना पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के गाडरी खेड़ा निवासी भैरूलाल माली ने थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि रविवार 29 मार्च 2026 की अलसुबह करीब 3 बजे दो अज्ञात बदमाश उनके घर के पीछे बने बाड़े की दीवार फांदकर अंदर घुसे। उस समय बरामदे में भैरूलाल के पिता नानूराम, माता शांतिदेवी और पुत्र शिवम गहरी नींद में सो रहे थे।

क्रूरतापूर्वक दिया लूट की वारदात को अंजाम

बदमाशों ने सो रही शांतिदेवी को निशाना बनाया और उनके कानों में पहने करीब एक तोला वजनी सोने के झुमके झपट लिए। छीना-झपटी के दौरान बदमाशों ने इतनी ताकत लगाई कि बुजुर्ग महिला के दोनों कान बुरी तरह फट गए और खून का फव्वारा फूट पड़ा। दर्द से कराहती महिला की आवाज सुनकर जब तक परिजन जागे, बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो चुके थे। परिजन आनन-फानन में घायल शांतिदेवी को मांडल अस्पताल ले गए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें गंभीर हालत में भीलवाड़ा रेफर किया गया। भीलवाड़ा के अस्पताल में चिकित्सकों ने महिला के कानों में टांके लगाकर रक्तस्राव रोका ।

ग्रामीणों में दहशत और आक्रोश

इस दरिंदगी भरी लूट की घटना के बाद गाडरी खेड़ा और आसपास के गांवों में भारी आक्रोश और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे घरों में घुसकर बुजुर्गों को निशाना बना रहे हैं। पीड़ित परिवार ने पुलिस से आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलाने और लूटे गए गहने बरामद करने की गुहार लगाई है। मांडल पुलिस ने मामला दर्ज कर संदिग्धों की तलाश और सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

गैस एजेंसी आमजन में फैला रही है भ्रम, होम डिलीवरी नहीं करके भीड़ इकट्ठा कर दे रही है सप्लाई

▪ स्मार्ट हलचल

पुर । जहां सरकार बार-बार आम जनता में गैस कमी की फैल रही अफवाहो को भ्रांति बताते हुए गैस आवश्यकता अनुरूप होने तथा आमजन में फेल रही अफवाहों पर अंकुश लगाने हेतु गैस एजेंसियों को ओटीपी आधारित होम डिलीवरी के सख्त निर्देश दिए हैं और सप्लाई सिस्टम की रोजाना मॉनिटरिंग की जा रही है लेकिन फिर भी गैस एजेंसियों के कर्मचारियों द्वारा जानबूझकर आम जन में भ्रांति फैलाने हेतु होम डिलीवरी नहीं करके चौराहे पर स्टैंड लगाकर भीड़ इकट्ठी कर सप्लाई दी जा रही है जिससे उपभोक्ताओं को अतिरिक्त समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है जबकि उपभोक्ताओं से होम डिलीवरी का पैसा वसूला जा रहा है। पुर में इंडियन गैस एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा सभी बुकिंग वाले उपभोक्ताओं को एक जगह बुलाकर सप्लाई दी जा रही है जिस वजह से आमजन में भी गैस के लिए लगी भीड़ को देखकर गैस की कमी होने की भ्रांति फैल रही है। सभी गैस एजेंसी को जिला कलेक्टर के आदेश है की हर उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी की जाकर निर्बाध आपूर्ति का भरोसा दिलाया जाए जिससे आम जन में भ्रांति फैलने से रोका जा सके तथा जानबूझकर ऐसा करने वालों के खिलाफ उचित कार्यवाही की जाए ।

मामा भांजे की तालाब में डूबने से मौत, परिजनो पर टूटा दुखो का पहाड़

▪ स्मार्ट हलचल । भीलवाड़ा

मांडल / थाना क्षेत्र के समेलिया गांव में उस समय मातम पसर गया जब एक युवक और बालक की तालाब में डूबने से मौत हो गई दोनो रिश्ते में मामा और भांजा लगते है । घर के दो चिराग बुझने से परिवार वालो का रो रो कर बुरा हाल है ।जानकारी के अनुसार समेलिया निवासी 25 वर्षीय डालचंद विश्नोई और 10 वर्षीय भैरू विश्नोई गांव के पास ही स्थित तालाब में नहाने गए थे इस दौरान ज्यादा गहराई में जाने की वजह से दोनो डूब गए । दोनो काफी समय तक घर नहीं आए तो परिजन और ग्रामीण तालाब के पास पहुंचे जहां दोनो के डूबने की आशंका पर पुलिस को सूचना दी गई । सूचना के उपरांत प्रशिक्षु आईपीएस आयुष कुमार मय जाब्ता, तहसीलदार और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंचे जहां सर्च ऑपरेशन चलाया गया मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों का जमावड़ा लग गया । एनडीआरएफ टीम ने काफी समय तक दोनो को तालाब में तलाश किया और दोनो के शव बरामद किए । जिसके बाद मौके पर चित पुकार फूट पड़ी परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया । दोनो के शवों को मांडल उप चिकित्सालय की मोर्चरी भिजवाया गया । एकाएक हुए इस हादसे के कारण परिवारजनों पर दुखो का पहाड़ टूट पड़ा साथ ही गांव में मातम छा गया । पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

अरावली पर्वतमाला के संरक्षण, वैज्ञानिक परिभाषा एवं संतुलित खनन के संबंध में महत्वपूर्ण पहल

▪ स्मार्ट हलचल

उदयपुर । माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (MEAI), राजस्थान चैप्टर, उदयपुर द्वारा "अरावली क्षेत्र में सतत खनन हेतु रणनीतिक मार्ग – एक राष्ट्रीय दृष्टिकोण" विषय पर एक तकनीकी व्याख्यान का आयोजन यूसीसीआई, मेवाड़ इंडस्ट्रियल एरिया, उदयपुर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. गोविंद सिंह भारद्वाज, पूर्व प्रोफेसर, खनन अभियांत्रिकी विभाग, CTAE, MPUAT ने अरावली क्षेत्र में खनन के भूवैज्ञानिक, आर्थिक, पर्यावरणीय एवं नीतिगत पहलुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम के आरंभ में डॉ हितांशु कौशल ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए मुख्य वक्ता डॉ गोविन्द सिंह भारद्वाज का सक्षिप्त परीचय प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता का स्वागत श्री अरूण कुमार कोठारी, पूर्व अध्यक्ष एमईएआई एवं श्री आसिफ एम अंसारी, सचिव एमईएआई-उदयपुर द्वारा किया गया।

अरावली का भूवैज्ञानिक एवं राष्ट्रीय महत्व

डॉ. भारद्वाज ने बताया कि अरावली पर्वतमाला विश्व की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है (लगभग 2 अरब वर्ष पुरानी), जो लगभग 670 किमी तक गुजरात, राजस्थान, हरियाणा एवं दिल्ली में विस्तृत है। यह क्षेत्र खनिज संपदा से समृद्ध है, जिसमें प्रमुख रूप से सीसा-जस्ता (Lead-Zinc), तांबा (Copper), संगमरमर (Marble), ग्रेनाइट, चूना पत्थर एवं अन्य औद्योगिक खनिज शामिल हैं: अरावली क्षेत्र भारत की खनिज अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जैसे, देश के 100% जस्ता उत्पादन, सीसा, चांदी, जिप्सम एवं संगमरमर में प्रमुख हिस्सेदारी एव लगभग 16% राष्ट्रीय खनिज मूल्य में योगदान देता है । आर्थिक योगदान एवं जमीनी वास्तविकता

राजस्थान में खनन क्षेत्र का वार्षिक उत्पादन लगभग 23,869 करोड़ है

तथा यह लगभग 30 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करता है। यह राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) में लगभग 4.4% योगदान देता है। डॉ. भारद्वाज ने कहा कि खनन केवल औद्योगिक गतिविधि नहीं, बल्कि ग्रामीण एवं जनजातीय अर्थव्यवस्था का आधार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि, खनन पर पूर्ण प्रतिबंध से रोजगार में कमी, आयात में वृद्धि एवं अवैध खनन बढ़ेगा तथा अनियंत्रित खनन से पर्यावरणीय क्षति बढ़ेगी अतः संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है।

वर्तमान खनन परिदृश्य एवं चुनौतियाँ: मुख्य चुनौतियाँ

. जटिल भूवैज्ञानिक संरचना (असमरूप अयस्क, ढाल अस्थिरता)
. पर्यावरणीय स्वीकृतियाँ एवं कानूनी जटिलताएँ
. खनन के प्रति गलत धारणाएँ (मिसइन्फॉर्मेशन)
. कुछ क्षेत्रों में अवैज्ञानिक खनन एवं अपर्याप्त पुनर्वास

उन्होंने बताया कि राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का केवल 0.54% भाग ही खनन के अंतर्गत है। अरावली क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है, जो, मरुस्थलीकरण को रोकने में सहायक, भूजल पुनर्भरण का प्रमुख स्रोत, जैव विविधता का संरक्षण क्षेत्र है । सुप्रीम कोर्ट (नवंबर 2025) द्वारा अरावली की एक समान परिभाषा स्वीकार की गई तथा सतत खनन हेतु प्रबंधन योजना (MPSM) तैयार करने के निर्देश दिए गए। डॉ. भारद्वाज ने "भूवैज्ञानिक अरावली" और "कानूनी अरावली" के बीच अंतर को नीति निर्माण में प्रमुख चुनौती बताया।

सतत खनन: भविष्य की दिशा: कार्यक्रम का मुख्य संदेश था: "अरावली के लिए खनन रोकना नहीं, बल्कि अवैज्ञानिक खनन को रोक कर वैज्ञानिक खनन को बढ़ाना है।" रणनीतिक सुझाव:अंत में एसोसिएशन के सचिव श्री आसिफ़ अंसारी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया की अरावली पर्वतमाला से जुड़े विषय केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह क्षेत्र रोजगार सृजन, खनिज संसाधनों के उपयोग एवं क्षेत्रीय विकास से भी जुड़ा हुआ है। अतः आवश्यक है कि इन सभी पहलुओं के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। MEAI द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव इस दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है, जिससे माननीय न्यायालय को वैज्ञानिक एवं वस्तुनिष्ठ जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। यह पहल यह सुनिश्चित करने में सहायक होगी कि अरावली क्षेत्र में पर्यावरणीय संरक्षण, सतत विकास एवं जिम्मेदार खनन के सिद्धांतों के अनुरूप निर्णय लिए जाएं। अंततः, यह कहा जा सकता है कि अरावली पर्वतमाला के संरक्षण एवं विकास से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय पर सभी हितधारकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एव खनिजों का संतुलित दोहन सुनिश्चित किया जा सके।

खनन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों के प्रतिनिधि संगठन Mining Engineers' Association of India, राजस्थान चैप्टर, उदयपुर द्वारा दिनांक 10.03.2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित वाद "अरावली पर्वतमाला की परिभाषा एवं संबंधित विषय" (Suo Motu Writ Petition (Civil) No. 10/2025) के संदर्भ में Learned Amicus Curiae को एक महत्वपूर्ण पत्र प्रेषित किया गया है। इस पत्र के माध्यम से संगठन ने अरावली क्षेत्र के वैज्ञानिक, पर्यावरणीय एवं नियंत्रित खनन से जुड़े पहलुओं पर अपनी तकनीकी विशेषज्ञता उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि संगठन के पास खनन, भू-विज्ञान, पर्यावरण एवं नियामक क्षेत्रों के अनुभवी विशेषज्ञ उपलब्ध हैं, जो माननीय न्यायालय द्वारा प्रस्तावित उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति के कार्य में सार्थक योगदान दे सकते हैं। साथ ही, संगठन द्वारा डॉ. हितांशु कौशल का नाम एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में प्रस्तावित किया गया है, जिनके पास खनन तकनीक एवं विधिक मामलों का व्यापक अनुभव है। यह पहल अरावली क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण, संतुलित विकास एवं वैज्ञानिक खनन के बीच सामंजस्य स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस अवसर पर होली मिलन एवं ईद मिलन समारोह भी रखा गया। इस कार्यक्रम में ए के कोठारी , पी आर आमेटा, हिमांशु कौशल, मकबूल अहमद , एम एल पालीवाल, वाई सी गुप्ता जैसे 70 खनन विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, उद्योग प्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हितांशु कौशल संयुक्त सचिव द्वारा किया गया।

एनएच-148डी पर भीषण सड़क हादसा: आमने-सामने टक्कर में तीन युवकों की मौत, एक घायल

▪ स्मार्ट हलचल

जहाजपुर । जहाजपुर क्षेत्र में एनएच-148डी पर ग्राम नाथूँन कुरड़िया टोल टैक्स के पास रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दो मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने हुई टक्कर में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से तीन की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई, जबकि एक युवक का अस्पताल में इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे में घायल राहुल पुत्र सरदार सिंह (उम्र 18 वर्ष), निवासी जोझर थाना शक्करगढ़ को गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। वहीं विशाल पुत्र हनुमान सिंह राजपूत (उम्र 19 वर्ष), निवासी जोहार तथा नरेंद्र

पुत्र हरजीराम मेघवंशी, निवासी इटुंडा थाना हनुमान नगर की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस पहुंची तथा यातायात को सुचारू रूप से चालू रखा गया। फिलहाल मामले की जांच जारी है। इस हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

एलपीजी कालाबाजारी पर प्रशासन का शिकंजा: 27 ठिकानों पर छापे, 132 सिलेंडर जब्त

▪ स्मार्ट हलचल

अवैध रिफिलिंग पर बड़ी कार्रवाई, ऑटो एलपीजी पम्प सील

भीलवाड़ा/जिले में एलपीजी की कालाबाजारी और अवैध रिफिलिंग के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। अब तक 27 स्थानों पर छापेमारी कर 132 गैस सिलेंडर, रिफिलिंग मशीन और अन्य उपकरण जब्त किए गए हैं। जिला रसद अधिकारी के अनुसार, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत सभी मामलों में प्रकरण दर्ज किए गए हैं। साथ ही 6A के तहत 27 प्रकरण तैयार कर जिला कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किए गए हैं। एक मामले में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। कार्रवाई के दौरान भदालीखेड़ा क्षेत्र में

अवैध रूप से संचालित एक ऑटो एलपीजी पम्प को भी सील किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कालाबाजारी, जमाखोरी और अवैध गैस रिफिलिंग जैसी गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

जिला अस्पताल में दिनदहाड़े मोबाइल चुराते युवक को लोगों ने दबोचा, पिटाई के बाद पुलिस के सुपुर्द किया, अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर खड़े हुए सवाल

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। जिले के सबसे बड़े महात्मा गांधी चिकित्सालय में सुरक्षा व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े हो गए हैं। जिला अस्पताल में रविवार को मेल सर्जिकल वार्ड में मोबाइल चोरी की वारदात से हड़कंप मच गया। वार्ड में भर्ती मरीज के परिजन का मोबाइल चोरी करते एक युवक को लोगों ने रंगेहाथ पकड़ लिया गया, जिसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी।

शक होने पर लोगो ने पकड़ा

पीड़ित सत्तू जाट ने बताया कि उसके छोटे भाई गोविंद जाट को अपेंडिक्स की

समस्या के चलते अस्पताल के मेल सर्जिकल वार्ड में भर्ती कराया गया है। इसी दौरान एक युवक वार्ड में घुसकर मौका देखकर मोबाइल चोरी कर रहा था। लोगों को उसकी हरकतों पर शक हुआ तो उसे पकड़ लिया गया।

वार्ड में मची अफरा तफरी, युवक को जमकर धोया

घटना के बाद वार्ड में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने युवक की वार्ड में ही जमकर धुनाई कर दी। इसके बाद लोगों ने आरोपी को अस्पताल में तैनात होमगार्ड कर्मियों के हवाले कर दिया। होमगार्ड ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे भीमगंज पुलिस के हवाले कर दिया।

अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

घटना ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

राजस्थान फार्मासिस्ट कर्मचारी संघ एकीकृत भीलवाड़ा द्वारा रक्तदान शिविर 7 को, पोस्टर विमोचित

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान फार्मासिस्ट कर्मचारी संघ एकीकृत, भीलवाड़ा के तत्वावधान में 7 अप्रैल को आयोजित होने वाले विशाल रक्तदान शिविर के पोस्टर का विधिवत विमोचन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महेश सेवा समिति भीलवाड़ा में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश नरानीवाल, सचिव राजेंद्र कुमार कचोलिया, उपाध्यक्ष सत्यनारायण मुंद्रडा, संचालक सदस्य दिलीप तोषनीवाल, ओमप्रकाश मालू, एवं माहेश्वरी समाज के राकेश पटवारी, कैलाश तोषनीवाल, शिव तोषनीवाल, रतन पटवारी, बाल मुकुंद राठी, ओम भंडारी, सत्यनारायण तोतला सहित राजस्थान फार्मासिस्ट कर्मचारी संघ के नीरज व्यास, अंकित काबरा, खुशबू लढा, वंदना चुंडावत सहित कई पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। महेश सेवा समिति के सचिव राजेंद्र कुमार कचोलिया ने बताया कि उक्त आयोजन में सभी रक्तदाताओं को अधिक से अधिक भाग लेना चाहिए ताकि लोगों को रक्त देकर जान बचाई जा सके। रक्तदान महादान है पुण्य का काम है हम सभी को इस अवसर पर बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए तथा इस आयोजन को सफल बनाना चाहिए। संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह रक्तदान शिविर समाज के जरूरतमंद मरीजों की सहायता के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। पोस्टर विमोचन के साथ ही शिविर की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है तथा जन-जागरूकता के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा।

सिंगोली श्याम फूलडोल महोत्सव में रक्तदान शिवर में 114 यूनिट रक्त संग्रहण

▪ स्मार्ट हलचल

आकोला /सिंगोली श्याम फूलडोल महोत्सव के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार को आयोजित हुआ । गोपाल विजयवर्गीय ने बताया कि प्रातः 9:00 बजे से 6:00 बजे तक आयोजित हुए रक्तदान शिविर में सिंगोली श्याम मित्र मंडल के सदस्यों, सिंगोली श्याम सेवा संस्थान के पदाधिकारीयों , सहयोग सेवार्थ फाउंडेशन भीलवाड़ा के पदाधिकारीयों ने शिविर व्यवस्थाओं में सहयोग किया । शिविर में रक्तदाताओं ने रक्तदान महादान की प्रेरणा से प्रेरित होकर सिंगोली श्याम का जयकारा लगाते हुए रक्त अर्पण किया । शिविर में दुर्लभ ब्लड ग्रुप के रक्तदाताओं ने भी रक्तदान किया । शिविर में 114 यूनिट रक्त संग्रहण कोटडी श्याम ब्लड बैंक द्वारा किया गया । सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

सोशल मीडिया पर LPG गैस, पेट्रोल-डीजल संबंधी अफवाह फैलाना पड़ा भारी, 8 आरोपी गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । सोशल मीडिया पर घरेलु LPG गैस, पेट्रोल-डीजल संबंधी अफवाह फैलाने वालों पर भीलवाड़ा पुलिस ने बड़ी कार्यवाही की है । आमजन को गुमराह करने एवं सोशल मीडिया पर व्यूज हेतु अफवाह फैलाने वाले 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है । एसपी धर्मेन्द्र सिंह भीलवाड़ा के निर्देशन में सोशल मीडिया सेल द्वारा घरेलु LPG गैस को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैलाई जा रही भ्रामक एवं अफवाहपूर्ण पोस्टों पर सख्त निगरानी रखते हुए कार्रवाई की गई। इस दौरान भीलवाड़ा पुलिस द्वारा विभिन्न थानों में कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो सोशल मीडिया पर झूठी जानकारी प्रसारित कर आमजन में भ्रम एवं भय का माहौल उत्पन्न कर रहे थे। साथ ही ऐसे अन्य संदिग्ध अकाउंट्स की लगातार निगरानी की जा रही है जो सोशल मीडिया व अन्य माध्यमो से एलपीजी गैस एवं पट्रोल डीजल को लेकर अफवाहें फैलाकर आमजन को गुमराह कर रहे है जिनपर विधिक कार्रवाई जारी रहेगी। वर्तमान में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा घरेलु LPG गैस, पेट्रोल एवं डीजल की कमी को लेकर भ्रामक एवं अफवाहपूर्ण सूचनाएं प्रसारित कर आमजन में भ्रम एवं अनावश्यक भय का माहौल उत्पन्न किया जा रहा था। इन अफवाहों के कारण आम नागरिकों में घबराहट की स्थिति बन रही थी तथा अनावश्यक रूप से संसाधनों की मांग बढ़ने की संभावना भी उत्पन्न हो रही है। इस संबंध में मामले को गंभीरता से लेते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सतत निगरानी रखी गई एवं सोशल मीडिया सेल द्वारा भ्रामक पोस्ट/संदेश प्रसारित करने वाले व्यक्तियों की पहचान की गई, कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना बनेड़ा द्वारा 4, थाना बडलियास द्वारा 2 एवं थाना सुभाषनगर द्वारा 1 एवं थाना गांधीनगर द्वारा 1 सहित कूल 8 आरोपी को गिरफ्तार किया और पाबंद करवाया गया, सोशल मीडिया पर झूठी एवं भ्रामक जानकारी प्रसारित कर आमजन को गुमराह करने के साथ-साथ समाज में भय का वातावरण बनाने का प्रयास कर रहे थे।

सोशल मीडिया पर व्यूज एवं फॉलोअर्स बढ़ाने थे

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि आरोपी सोशल मीडिया पर व्यूज एवं फॉलोअर्स बढ़ाने के उद्देश्य से जानबूझकर इस प्रकार की भ्रामक सामग्री प्रसारित कर रहे थे। भीलवाड़ा पुलिस द्वारा ऐसे अन्य संदिग्ध सोशल मीडिया अकाउंट्स की भी निरंतर निगरानी की जा रही है। भविष्य में यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की अफवाह फैलाते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी एवं कालाबाजारी रोकने के लिए रसद विभाग , पुलिस एवं गैस कम्पनियों के संयुक्त दल द्वारा सख्त कार्यवाही की जाएगी।

ये हुए 8 आरोपी गिरफ्तार

1. करण जाट पिता मोहन लाल जाट नि. सरदारनगर पुलिस थाना बनेडा (भीलवाड़ा)
2. धीरज जाट पिता भंवर लाल नि. सरदारनगर पुलिस थाना बनेडा (भीलवाड़ा)
3. अर्पित शर्मा पिता गणेश नारायण शर्मा नि. जोरावरपुरा पुलिस थाना बनेडा (भीलवाड़ा)
4. अर्जुन चौधरी पिता मोहन लाल नि. सरदारनगर पुलिस थाना बनेडा (भीलवाड़ा)
5. महेंद्र कुमार पिता देबी लाल बैरवा नि. रेण, पुलिस थाना बडलियास (भीलवाड़ा)
6. कैलाश कुमार पिता देबी लाल बैरवा नि. रेण, पुलिस थाना बडलियास (भीलवाड़ा)
7. मुकेश प्रजापत पिता पारसमल प्रजापत नि. बरसनी पुलिस थाना शम्भुगढ़ (भीलवाड़ा)
8. दीपक सिंह पिता लाडू सिंह भाटी नि. गायत्री नगर पुलिस थाना गांधीनगर (भीलवाड़ा)

आमजन से अपील

सोशल मीडिया पर प्रसारित किसी भी अपुष्ट या भ्रामक सूचना पर विश्वास न करें। घरेलु LPG गैस, पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहें। केवल आधिकारिक एवं विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त जानकारी को ही सही मानें। सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें।

टोंक डीएसटी की बड़ी कार्रवाई

जुए के अड्डों पर ताबड़तोड़ छापे- दो थानों के 8 आरोपी गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

- 22 लाख का हिसाब किताब बरामद-47,500 रुपये नगद बरामद-पुलिस कार्रवाई पर भी उठे सवाल

टोंक/उनियारा । जिले में संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने शनिवार शाम को उनियारा सर्किल अन्तर्गत अलीगढ़ और सोप थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी कर जुए के अड्डों का भंडाफोड़ किया। इस कार्रवाई में कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि मौके से नगद राशि और लाखों रुपये के लेन-देन का हिसाब रखने वाली डायरी बरामद हुई है। हालांकि, कथित रूप से धारासिंह नाम के एक युवक की बिना किसी अपराध के संदिग्ध गिरफ्तारी से डीएसटी की कार्रवाई

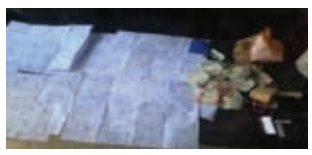

पर सवाल खड़े होते नजर आए हैं। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा (आईपीएस) के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टोंक रतनलाल भार्गव व डीएसपी उनियारा आकांक्षा चौधरी के सुपरविजन में गठित टीम ने योजनाबद्ध तरीके से यह कार्रवाई की। अलीगढ़ थाना क्षेत्र में कार्रवाई डीएसटी टीम ने पचाला गांव में दबिश देकर सोहनलाल और इकबाल को जुआ खेलते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 47,500 रुपये नगद बरामद किए। वहीं जब्त डायरी में करीब 6 लाख रुपये के जुए का हिसाब सामने आया। दोनों के खिलाफ अलीगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। सोप थाना क्षेत्र में बड़ी पकड़ सोप थाना क्षेत्र के कोटड़ी मोड़ पर जुआ-सट्टे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। यहां से 9,200 रुपये नगद बरामद हुए, जबकि डायरी में करीब 16 लाख रुपये के लेन-देन का खुलासा हुआ।गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी नन्दकिशोर व यासीन कोटा तथा स्थानीय निवासी धारासिंह, प्रकाश, चेतन और देशराज शामिल हैं। कार्रवाई पर उठे सवाल इस कार्रवाई के दौरान एक अहम विवाद भी सामने आया है। एक आरोपी के परिजनों ने आरोप लगाया है कि धारासिंह को बिना ठोस सबूत और बिना फर्द जप्ती के संदिग्ध मानकर गिरफ्तार किया गया, जो कि अवैध गिरफ्तारी नियमों के विरुद्ध है। इसको लेकर पुलिस कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं। परिजनों ने जिला पुलिस अधीक्षक टोंक से डीएसटी टीम व सोप थाना पुलिस की अवैध संदिग्ध गिरफ्तारी के कारणों की जांच कराने की मांग की है। संगठित अपराध पर बड़ा प्रहार या स्थानीय पुलिस की लापरवाही? जिला स्पेशल टीम डीएसटी की इस कार्रवाई ने जहां एक ओर संगठित जुआ नेटवर्क का खुलासा किया, वहीं दूसरी ओर स्थानीय अलीगढ़ और सोप थाना पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इतने बड़े स्तर पर जुआ-सट्टा संचालित होने के बावजूद स्थानीय पुलिस की अनभिज्ञता या निष्क्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है। फिलहाल अलीगढ़ व सोप थाना पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, आरोपी धारासिंह मीणा की कथित अवैध गिरफ्तारी को लेकर उठे सवालों ने इस पूरी कार्रवाई को और भी चर्चाओं में ला दिया है। पुलिस ने कोर्ट कैंप मजिस्ट्रेट उनियारा के समक्ष पेश किया जहां से मजिस्ट्रेट ने मुख्य आरोपियों का पीसी रिमांड मांगे जाने पर अन्य सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में टोंक जेल भेज दिया गया है।

अफवाहों पर लगामः भीलवाड़ा में गैस, पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार, पैनिक बुकिंग से बचें- जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू

जिले में गैस की मांग 11 हजार, जबकि आपूर्ति 18 हजार सिलेंडर प्रतिदिन; ओटीपी आधारित होम डिलीवरी के निर्देश, कालाबाजारी पर प्रशासन की सख्त नजर

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । जिले में पिछले कुछ दिनों से रसोई गैस (LPG), पेट्रोल और डीजल की किल्लत को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों पर जिला प्रशासन ने सख्ती से विराम लगा दिया है। जिला कलेक्टर श्री जसमीत सिंह संधू ने रविवार को स्पष्ट किया कि भीलवाड़ा जिले में पेट्रोलियम पदार्थों और गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे भ्रामक सूचनाओं में आकर पैनिक बुकिंग (घबराहट में खरीदारी) और अनावश्यक भंडारण न करें, क्योंकि इससे आपूर्ति व्यवस्था पर अकारण दबाव पड़ता है।

मांग से कहीं अधिक है आपूर्तिः

जिला रसद अधिकारी श्री अमरेंद्र मिश्र ने आंकड़ों के हवाले से स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की दैनिक खपत लगभग 11,000 है। इसके मुकाबले प्रतिदिन करीब 18,000 सिलेंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। ऐसे में गैस की कमी का सवाल ही नहीं उठता। व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारू बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने सभी गैस एजेंसियों को 'ओटीपी' (OTP) आधारित होम डिलीवरी सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

कालाबाजारी करने वालों पर कसा शिकंजाः

कलेक्टर के निर्देशों पर प्रशासन और रसद विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। गैस की कालाबाजारी और अवैध रिफिलिंग (जैसे ईको वैन आदि में गैस भरना) के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाइयां की जा रही हैं। जिले में विभिन्न स्थानों पर छापे मारकर बड़ी संख्या में अवैध कमर्शियल और घरेलू सिलेंडर जब्त किए गए हैं। प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि उपभोक्ताओं को निर्धारित दर पर ही गैस मिलेगी, अतिरिक्त राशि वसूलने वालों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई होगी।

बुकिंग के नियमों का करें पालनः

प्रशासन ने उपभोक्ताओं से नियमानुसार ही गैस बुकिंग करने की अपील की है।

नियमों के तहतः

शहरी क्षेत्रों में: 25 दिन के अंतराल पर गैस बुकिंग का प्रावधान है।

ग्रामीण क्षेत्रों में: 45 दिन के अंतराल पर बुकिंग की जा सकती है।

जिला प्रशासन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग और सभी प्रमुख ऑयल कंपनियां स्थिति की सतत मॉनिटरिंग कर रही हैं। प्रशासन ने जिले की जनता को आश्वस्त किया है कि किसी भी उपभोक्ता को आवश्यक सेवाओं के लिए असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

गंगापुर भाजपा कार्यालय में 'मन की बात' का विकास पुस्तिका का वितरण

▪ स्मार्ट हलचल

गंगापुर। / नगर स्थित भाजपा कार्यालय में रविवार को प्रधानमंत्री Narendra Modi के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 132वें संस्करण को नगर अध्यक्ष अमित तिवाड़ी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के पश्चात सहाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक लादू लाल पीतलिया के दो वर्षों के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों पर आधारित पुस्तिका का वितरण किया गया। नगर अध्यक्ष अमित तिवाड़ी ने पदाधिकारियों एवं बूथ अध्यक्षों को यह पुस्तिका सौंपते हुए कहा कि इससे आमजन को सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी घर-घर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर दया सैनी, विजय लक्ष्मी जीनगर, मुरलीमनोहर भट्ट, मोतीलाल गहलोत, गिरिराज सोमानी, जमनेश खटीक, सत्तू उस्ताद, मुकेश रैगर, धर्मेश खटीक, दिलदार खान, निखिल माहेश्वरी, रमेश साहू, सुरेश टेलर, शोभालाल जाट, मुकेश पुरी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

पं दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान का हुआ समापन

▪ स्मार्ट हलचल

सूरौठ। भाजपा हिंडौन ग्रामीण मंडल का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का रविवार को गांव बाढ़ करसौली में समापन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंडौन ग्रामीण मंडल अध्यक्ष शिव गणेश चौधरी ने की। प्रशिक्षण महाभियान की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर के समक्ष दीप जलाकर की गई। इसके पश्चात सामूहिक राष्ट्रगीत का वाचन किया गया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष शिव गणेश, मंडल महामंत्री अशोक सैनी, मीडिया संयोजक प्रदीप कुमार, लख्खी राम, हुकम सिंह, श्याम सिंह, मोहन सिंह, जगदीश, विक्रम, सहित काफी संख्या में हिंडौन ग्रामीण मंडल के भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। । दो दिन तक चलने वाले प्रशिक्षण महाभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति नीति एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

शिवोहम समारोह में हुआ श्रीमद भागवत कथा महोत्सव का पोस्टर विमोचन, मई में होगा सप्त दिवसीय आयोजन

▪ स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा / सनातन धर्म की परंपराओं और आध्यात्मिक चेतना के संवर्धन के उद्देश्य से निंबाहेड़ा में आयोजित होने वाले सप्त दिवसीय श्रीमद भागवत कथा महोत्सव का भव्य शुभारंभ पोस्टर विमोचन के साथ हुआ। यह विमोचन कार्यक्रम लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 के रीजनल कॉन्फ्रेंस "शिवोहम समारोह" के दौरान रविवार दोपहर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्रख्यात कथा वाचक संत श्री दिग्विजयरामजी महाराज द्वारा विधिवत रूप से पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर एम जे एफ लायन दिनेश बाबानी (अध्यक्ष, लायंस क्लब मंदसौर) सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर निंबाहेड़ा के सोनी (माहेश्वरी) परिवार सहित अनेक धर्मप्रेमी जन एवं आयोजन समिति के सदस्य मौजूद रहे। सोनी परिवार की ओर से विमोचन के दौरान सूरज सोनी, मनीष सोनी, नितेश सोनी, कन्हैयालाल सोनी, वंश सोनी, पुष्करलाल सोमानी, रमेश चाष्टा, नानालाल भूतड़ा, सुरेश तोतला, विजय आगार, कैलाश लड्ढा, विकास मूंदड़ा एवं विक्रम खेरोदिया सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे और आयोजन के प्रति अपनी आस्था एवं सहयोग व्यक्त किया।

जानकारी के अनुसार, यह भव्य धार्मिक आयोजन ज्येष्ठ बुदी 11, गुरुवार 13 मई से प्रारंभ होकर ज्येष्ठ सुदी 3, मंगलवार 19 मई 2026 (संवत् 2082) तक आयोजित किया जाएगा।

कथा का आयोजन निंबाहेड़ा स्थित कृषि उपज मंडी समिति परिसर के न्यू गेट, छोटीसादड़ी रोड पर होगा, जहां प्रतिदिन दोपहर 1:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक कथा का रसपान कराया जाएगा।

सप्त दिवसीय इस महोत्सव में संत श्री दिग्विजयरामजी महाराज श्रद्धालुओं को श्रीमद भागवत महापुराण के प्रसंगों का भावपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक वर्णन करेंगे।

कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भक्ति, ज्ञान एवं वैराग्य के संदेशों का प्रसार किया जाएगा, जिससे समाज में नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना का जागरण होगा।

आयोजकों ने बताया कि श्रीमद भागवत कथा सनातन धर्म की एक महत्वपूर्ण धार्मिक परंपरा है, जो व्यक्ति को धर्म, कर्म और मोक्ष के मार्ग की ओर अग्रसर करती है। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में सद्भाव, संस्कार और आध्यात्मिक उन्नति को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।

अंत में आयोजक परिवार ने समस्त क्षेत्रवासियों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण का लाभ लेने की अपील की।

मक्का मदीना शरीफ की हज यात्रा पर जाने वाले हाजियों का किया स्वागत

▪ स्मार्ट हलचल

मदीने वालो को हमारा सलाम कहना,,,,

हज यात्रियों को मक्का मदीना शरीफ की तस्वीर भेंट की,

काछोला -काछोला कस्बे से हज के मुकद्दस सफर हज के मुबारक मौके पर पैग़म्बरे इस्लाम मोहम्मद साहब सअव रोजे मुबारक मक्का शरीफ, मदीना शरीफ में हज यात्रा पर जाने वाले हाजी व हज्जानी का परिजनों व ग्रामीणों ने माला पहनाकर स्वागत किया और हज पर जाने वाले हाजियों को मक्का मदीना शरीफ की खूबसूरत तस्वीर अल्लाह मुहम्मद लिखी तस्वीर भेंट की। आशिके रसूल व अकीदतमंदों ने कहा कि मदीने वालों को हमारा सलाम कहना कि देश प्रदेश व सभी के लिए खुशहाली, सुख,समृद्धि व अमन-चैन की दुआ करना। इस्लाम धर्म के पवित्र तीर्थ स्थल मक्का व मदीना शरीफ के मुकद्दस सफर पर जाने वाले जाकिर हुसैन मंसूरी,शमीम बानू, मोहम्मद शाबिर रँगरेज,नजमा बानू, बाबू मेवाती,सलमा बानू,अब्दुल सत्तार बागवान, फरीदा बेगम,अय्यूब मोहम्मद लुहार,रजिया बानू का मक्का मदीना शरीफ के मुकद्दस सफर पर जाने वाले यात्रियों का मुस्लिम समाज जनों ने स्वागत किया और घर, परिवार, समाज, देश प्रदेश की खुशहाली की के लिए दुआ ।इसको लेकर मौलाना मोहम्मद शाह आलम अशरफी, मुस्लिम सदर हाजी शरीफ मोहम्मद मंसूरी,हाजी मोहम्मद हासम लजवान,कमालुद्दीन रँगरेज,हाजी बशीर मोहम्मद मंसूरी,हाजी आजाद मोहम्मद रँगरेज,हाजी फरियाद मोहम्मद,रफ़ीक़ मोहम्मद मंसूरी,मोहम्मद यूनुस रँगरेज,मुश्ताक मोहम्मद मंसूरी,जाकिर हुसैन मंसूरी,फरीद मोहम्मद रँगरेज,पीरू मोहम्मद,मुबारिक हुसैन मंसूरी, सहित आदि ने स्वागत किया।

जानलेवा जाम से जूझता कानपुर, एंबुलेंस फंसने से मरीज पहुंचा मौत के करीब,भर्ती

▪ स्मार्ट हलचल

कानपुर। जगह-जगह पर भीषण जाम की समस्या ने आज रविवार को एक मरीज की जिंदगी खतरे में डाल दी। मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल में भर्ती होने के पहले तक भीषण जाम के रूप में यह मौत मरीज के सामने नाचती हुई नजर आई। जाम में फांसी एंबुलेंस को बड़ी मुश्किल से बाहर निकालने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया जा सका। यह जानलेवा हालत तब पैदा हुए जब जीटी रोड पर मुरारी लाल चेस्ट हास्पिटल के सामने अतिक्रमण अभियान के चलते रविवार दोपहर लगभग 2 किलोमीटर तक भीषण जाम लग गया। मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल से लेकर गुरुदेव चौराहे तक लंबे जाम में वाहन रेंगते रहे। इसमें कई एंबुलेंस फंसी रही। जानकारी के मुताबिक एंबुलेंस में गंभीर रूप से बीमार बुजुर्ग रामकृष्ण को बिल्हौर से कानपुर रेफर किया गया था, डेढ़ घंटे तक जाम में मरीज तड़पता रहा और इस दौरान परिजन परेशान हो गए। आक्सीजन के सहारे महज 2 से 3 किमी. का सफर तय करने में डेढ़ घंटे से ज्यादा का समय लग गया और मरीज की जान सांसत में फंस गई। करीब डेढ़ घंटे बाद परिवार के लोग मरीज को मुरारी लाल चेस्ट हास्पिटल में आकर भर्ती कराया। अवगत कराते चलें कि इसके पहले भी जाम की समस्या और भी कई मरीजों की असमय मौत का कारण बन चुकी है।

श्री पंडोखर धाम सरकार महोत्सव 2 अप्रैल से, इटावा से शामिल होने पहुँचेगे श्रद्धालु

▪ स्मार्ट हलचल | यूपी

इटावा । 30 वां श्री पंडोखर सरकार धाम महोत्सव इस वर्ष और भव्य और आकर्षक होगा। व 2 अप्रेल से शुरू होकर 22 अप्रैल तक चलेगा। पंडोखर महोत्सव में आने वाले स्टॉल, खेल तमाशे झूले वालों से कोई किराया नही लिया जाएगा, उन्हें भोजन, बिजली की सुविधा भी दी जाएगी। इस वर्ष महोत्सव में श्री पंडोखर सरकार धाम के पीठाधीश्वर पं गुरुशरण शर्मा का भक्तो को सानिध्य मिलेगा व निशुल्क दरबार का प्रतिदिन आयोजन होगा।

यह जानकारी देते हुए श्री पंडोखर धाम में ट्रस्टी ठाकुर अजेंद्र सिंह गौर ने बताया कि महोत्सव 2 अप्रैल को कलश यात्रा से शुरू होगा। 2 अप्रैल 2026 से श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ होगी। भगवादचार्य पंडित विनोद शास्त्री जी महाराज वृंदावन के श्री मुख से होगी। श्री राम कथा 15 अप्रैल से 21 अप्रैल तक रहेगी। जिसमें कथा व्यास पंडित पवन शास्त्री कथावाचन करेंगे । विशाल भंडारा 12 अप्रैल को होगा। 3 अप्रैल मलखम्ब प्रतियोगिता, 4 अप्रैल भजन संध्या, 5 अप्रेल जय सिंह राजा एंड ग्रुप द्वारा बुंदेली लोक गीत, 6 व 7 अप्रैल रासलीला मयूर नृत्य ब्रज की होली माही शर्मा एंड ग्रुप वृन्दावन, 8 अप्रैल बुंदेली राई गायन जित्तू खरे बादल एंड ग्रुप, 9 अप्रैल बुंदेली फाग गायन, 10 अप्रेल भजन संध्या हमसर हयात ग्रुप द्वारा, 11 अप्रेल हरदौल लीला कुंजा भात, 12 अप्रेल झांकी नृत्य गायन जगदम्बा इंटरनेशनल ग्रुप नेमिषारण्य द्वारा, 13 अप्रेल बुंदेली गायन व कॉमेडी, 14 अप्रेल को विक्की काजला एन्ड ग्रुप द्वारा बॉलीबुड नाइट का रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन होगा। 15 अप्रेल को भजन संध्या एवं कॉमेडी शहनाज अख्तर, व योगेश त्रिपाठी (दरोगा हप्पू सिंह) की प्रस्तुति होगी। 16 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन होगा जिसमें भुवन मोहिनी, प्रीति पांडे, सबीना अदीब, विष्णु सक्सेना, सरदार प्रताप फौजदार, दिनेश देसी, अमन अक्षर, रवि नायक, मयंक विधौलिया जी काव्यपाठ करेंगे। 17 अप्रैल को भोजपुरी नाइट का प्रोग्राम होगा जिसमें अमरपाली दुबे, रक्षा गुप्ता, आर्यन बाबू एंड ग्रुप द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी जाएगी। इसके अलावा 18 अप्रैल को नीरज शर्मा गुरूजी और ग्रुप द्वारा खाटू श्याम की भजन संध्या होगी। 19 से 22 अप्रैल फिनिक्स सर्कस ग्रुप इंडिया द्वारा कार्यक्रम किया जाएगा। बीते वर्ष की तरह इस वर्ष भी दिन में 16 व 17 अप्रैल को महिला एवं पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता का विशाल आयोजन होगा। जिसमे राष्ट्रीय व अंर्तराष्ट्रीय स्तर के पहलवान अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

श्री पंडोखर सरकार के सरपंच पंडित रामकुमार शर्मा "राम जी" द्वारा सभी भक्तों को पहुंचाने की अपील की गई है।

रक्तदान शिविर में, 117 यूनिट रक्त संग्रहित

▪ स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर शहर में भक्ति के साथ-साथ सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। श्री महावीर हनुमान सेवा संस्थान द्वारा गांधी वाटिका में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में युवाओं ने भारी उत्साह दिखाया, जिसके फलस्वरूप कुल 117 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि महंत मोहनशरण शास्त्री के सानिध्य में हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्यामसुंदर चांडक, राधाकृष्ण सोमानी, राधेश्याम सोमानी और गजानंद बजाज उपस्थित रहे। संस्थान के संरक्षक राजेंद्र मूंदड़ा और धनराज जाजू ने दीप प्रज्वल कर कार्यक्रम शुरू किया ओर रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ाया। प्रचार प्रचार मंत्री कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया की युवाओं में जबरदस्त जोश देखने को मिला। सुबह से ही गांधी वाटिका में रक्तदाताओं की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। विशेषकर युवाओं में पहली बार रक्तदान करने को लेकर खासा आकर्षण देखा गया। जिसमें महेश जाजू द्वारा 59वीं बार रक्तदान किया गया और चंद्र प्रकाश नेगी ने 44वीं बार रक्तदान किया और कई रक्तदाताओं ने 25 से अधिक बार रक्तदान देकर रक्त दाताओं में मनोबल बढ़ाया एवं कई महिलाओं ने भी रक्तदान किया। अतिथियों ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है और हनुमान जन्मोत्सव पर सेवा का यह संकल्प सराहनीय है। शिविर को सफल बनाने में संजय झंवर, राजेश सिंहाग, परमेश्वर शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, बालकिशन पाराशर, श्रवण शर्मा, राजेश शर्मा, मुकेश अग्रवाल, संजय निर्मल, छोटू सिंह भाटी, युवराज, सहित संस्थान के अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया। रक्त सग्रह मे रामस्नेही व कोटडी श्याम बल्ड बैंक की टीम का सहयोग रहा।

मीणा समाज विवाह सम्मेलन की तैयारियां तेजः हाई पावर समिति गठित, प्रधान कुंड की बोली प्रक्रिया शुरू

▪ स्मार्ट हलचल

टोंक/सतवाड़ा गांव में 1 मई को होने वाले विशाल मीणा समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर हैं। सम्मेलन की रूपरेखा और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए 29 मार्च, रविवार को चामुंडा माता जी की हथाई पर आदर्श मीणा समाज सतवाड़ा की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष श्योपाल मीणा ने की। इसमें सर्वसम्मति से सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए एक 'हाई पावर संचालन समिति' का गठन किया गया। समिति ने सम्मेलन से संबंधित रसीद राशि जमा कराने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल तय की है।

सम्मेलन के धार्मिक अनुष्ठानों के लिए हवन कुंड की बोलियां भी आमंत्रित की गई हैं। टोकरावास के पूर्व सरपंच रामदेव मीणा ने प्रधान कुंड के लिए 71,000 रुपये की बोली लगाई है। समिति ने इच्छुक समाज बंधुओं से 26 अप्रैल तक प्रधान कुंड के लिए बोली लगाने का आग्रह किया है।

इससे पहले, 25 मार्च को गणेश निमंत्रण और झंडा रोपण के साथ समारोह का आगाज किया गया था। समाजसेवी और बोटुन्दा की वर्तमान सरपंच शीला राजकुमार मीणा (पूर्व प्रधान) ने झंडा रोपण की रस्म 5 लाख 1 हजार रुपये की बोली लगाकर पूरी की थी।

बैठक में समाज के कई प्रबुद्धजन और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इनमें उप प्रधान महादेव मीणा, बाबूलाल मीणा (अधिवक्ता, देवली), रामदेव टोकरावास मोतीलाल (पूर्व सरपंच), कालूराम (बालुन्दा), हरिराम मीणा (सीतापुरा), हेमराज मीणा आकोडिया (चन्दवाड़ सरपंच), राधेश्याम (डीलर), सोहनलाल (खरोई), लक्ष्मण (डाटुन्दा), इन्द्रसिंह (अध्यापक), शिवपाल (निदेशक, राजस्थान पब्लिक स्कूल), महावीर, राकेश, लोकेश, प्रधान, फतेहलाल, रामधन भागीरथ मीणा, अविनाश मीणा घाड़ प्रमुख थे।

यह विशाल सम्मेलन 1 मई को सतवाड़ा में घाड़ रोड पर स्थित भेरुजी महाराज के स्थान पर आयोजित होगा। समाज के पदाधिकारियों ने सभी से इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

ट्रंप की हठधर्मिता से धराशाई हुई वैश्विक अमेरिकी प्रभुत्व की धारणा

▪ स्मार्ट हलचल

तनवीर जाफ़री

निःसंदेह संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व के सर्वशक्तिशाली देशों में अपना सर्वोच्च स्थान रखता है। यही वजह है कि दुनिया के अधिकांश देश 'सर्वशक्तिमान अमेरिका' से अपने मधुर सम्बन्ध बनाये रखना ही बेहतर समझते हैं। अपने प्रभुत्व या दबदबे को क़ायम रखने के लिये अमेरिका भी अन्य देशों के बीच 'बांटो और राज करो' का खेल खेलता आ रहा है। इसी घिनौने खेल के तहत वह दुनिया के लगभग 57 इस्लामिक देशों में शिया सुन्नी मतभेद को हवा देता रहता है। और इसी प्रोपेगेंडा की आड़ में अमेरिका कई इस्लामिक देशों में सामरिक महत्व के अनेक अड्डे संचालित कर रहा है। विदेश संबंध परिषद के अनुसार अमेरिका इस क्षेत्र में कम से कम 19 देशों पर स्थायी और अस्थायी दोनों तरह के सैन्य ठिकानों का एक व्यापक नेटवर्क संचालित करता है। इनमें बहरीन, मिस्र, इराक़, जॉर्डन, कुवैत, क़तर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित आठ स्थाई सैन्य अड्डे भी शामिल हैं। अधिकांश इस्लामिक देशों में सैन्य अड्डे संचालित करने के बदले अमेरिका को वहाँ की सरकारों से भारी धन भी मिलता है। उदाहरण के तौर पर सऊदी अरब जैसा इस्लामिक देश अमेरिका को अपने यहां तैनात अमेरिकी सैनिकों के ख़र्च को आंशिक तौर पर उठाने के बदले में लगभग 500 मिलियन डॉलर देता आ रहा है। अमेरिका और मेज़बान देश आमतौर पर स्टेटस ऑफ़ फ़ोर्सेज़ एग्रीमेंट और अन्य रक्षा समझौतों के तहत तय करते हैं कि कौन कितना ख़र्च उठाएगा। इन देशों को भी अमेरिकी संरक्षण, हथियारों की बिक्री, प्रशिक्षण, रक्षा गठबंधन और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ने के रूप में लाभ होता है, जिसके बदले वे अमेरिकी सैनिकों के ख़र्च या उपयोग के लिए कुछ न कुछ भुगतान या संसाधन देते हैं। अमेरिका दशकों से इसी नीति पर चलते हुये अनेक तेल उत्पादक इस्लामिक देशों से अपनी आवश्यकतानुसार तेल लेता है साथ ही इनकी सुरक्षा के नाम पर इन्हें हथियार भी बेचता है। कुल मिलकर इस प्रपंच के पीछे वह इन देशों को यही सन्देश देता आ रहा है कि -'अमेरिका ही तुम्हारा रक्षक है अन्यथा ईरान जैसा देश मध्य एशिया के खाड़ी देशों को निगल जायेगा'।

परन्तु गत 28 फ़रवरी से अमेरिका व इस्राईल द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध के बाद ईरान ने 'स्वयंभू महाबली अमेरिका ' को जिसतरह उसकी औक़ात दिखाई है उसने अमेरिका व इस्राईल सहित स्वयं को अमेरिकी सैन्य ठिकानों के बल पर सुरक्षित रहने की दशकों से ग़लत धारणा पाले बैठे इस्लामिक देशों को भी बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर

दिया है। ईरान ने जिन लगभग 8 मुस्लिम देशों पर हमले किए इनमें सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, क़तर, बहरीन, जॉर्डन व इराक़ जैसे देशों के नाम शामिल हैं। इन ईरानी हमलों में असली निशाना खाड़ी देशों में फैले अमेरिकी सैन्य ठिकाने थे, न कि इन देशों के "सार्वभौमिक इलाक़े"। इन हमलों से अमेरिका की रडार, संचार-सिस्टम,थाड एंटी-मिसाइल रडार, हैंगर, रिफ्युलिंग विमान और ढांचा जैसे संवेदनशील टार्गेट पर निशाने साधे जिससे अमेरिकी सैन्य संचालन की क्षमता कहीं घटी तो कहीं बिल्कुल ही समाप्त हो गयी। इन्हीं ईरानी हमलों के बाद अमेरिका को अपना रक्षक समझने वाले खाड़ी के इस्लामिक देशों को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि जब अमेरिका ख़ुद अपने सैन्य ठिकानों की हिफ़ाज़त नहीं कर सका तो वह दूसरे देशों की रक्षा कैसे करेगा ? इन्हीं हालात ने इस्लामिक देशों को यह सोचने के लिये भी मजबूर किया है कि अमेरिका पर सुरक्षा हेतु निर्भर रहने से बेहतर है इस्लामिक देशों के परस्पर मधुर संबंध बनाना। और साथ ही इनमें से कई इस्लामिक देशों ने अमेरिका व इस्राईल द्वारा खड़े किये गये शिया-सुन्नी मतभेद के पीछे की चाल को भी पहचान लिया है। इसीलिये पूर्णतयः अमेरिकी अनुकम्पा पर आश्रित रहने वाले चंद पिछलग्गू देशों के सिवा अधिकांश देशों ने अमेरिका से फ़ासला बनाकर रखने का मन बना लिया है।

ट्रंप ने इस्राईल के दबाव अथवा बहकावे में आकर अपने ज़िद्दीपन के चलते ही ईरान विरोधी सैन्य अभियान में शामिल होने जैसा जो घातक फ़ैसला किया है उससे दुनिया के अनेक देश ही ख़िलाफ़ नहीं बल्कि अमेरिका में घरेलू स्तर पर भी काफ़ी विरोध के स्वर बुलंद हुये हैं। गत दिनों किये गये अनेक सर्वेक्षणों में लगभग 50 से 60 प्रतिशत तक अमेरिकियों ने ईरान के ख़िलाफ़ जारी सैन्य हमलों का विरोध किया है या ट्रंप के इस निर्णय से अपनी असहमति जताई है। कई सर्वेक्षणों में तो इन्हें "अत्यधिक हस्तक्षेप" या अनावश्यक युद्ध तक की संज्ञा भी दी गयी है। डेमोक्रेट पार्टी के विशेष जनसमूह और कई उदारवादी व प्रगतिशील संगठनों ने ट्रंप की ऐसी नीतियों के ख़िलाफ़ प्रदर्शन किये ऑनलाइन अभियान चलाये और कांग्रेस में प्रस्ताव लाकर इसका विरोध भी किया है। कांग्रेस में डेमोक्रेट नेता टिम केन द्वारा रिपब्लिकन रेंड पॉल के साथ एक द्विदलीय "वार पावर रेज़ोल्यूशन" भी लाया गया जिसका उद्देश्य ट्रंप को ईरान के ख़िलाफ़ हथियारबंद अभियान सीमित करने के लिए बाध्य करना था। हालांकि यह प्रस्ताव खारिज ज़रूर हो गया, परन्तु इसके द्वारा अमेरिका में ही ट्रंप की नीतियों का औपचारिक विरोध ज़रूर उजागर हुआ। कई प्रमुख अमेरिकी मीडिया और विदेश नीति विशेषज्ञों ने ईरान में युद्ध को ग़लत अमेरिकी रणनीति बताया और इसे "इस्राईल के दबाव" में घसीटा गया युद्ध और अमेरिकी संसाधनों के व्यर्थ बर्बादी के रूप में वर्णित किया गया है । ट्रंप की नीतियों का यह विरोध इस स्तर तक पहुँच गया कि अमेरिकी राष्ट्रीय आतंकवाद-विरोधी केंद्र के निदेशक जोसेफ़ केंट ने ईरान के साथ जारी युद्ध के विरोध में अपने पद से इस्तीफ़ा तक दे दिया। अपने इस्तीफ़े के पत्र में जोसेफ़ केंट ने स्पष्ट लिखा कि ईरान से अमेरिका को "कोई तत्काल ख़तरा" नहीं था और यह युद्ध इस्राईल और उसकी अमेरिकी लॉबी के दबाव में शुरू किया गया है, इसलिए वे इसका समर्थन नहीं कर सकते। ट्रंप प्रशासन के भीतर कुछ राष्ट्रीय सुरक्षा और ख़ुफ़िया विभाग के अधिकारियों में भी ईरान युद्ध के विरुद्ध असंतोष और "मौन विरोध" है।

कहना ग़लत नहीं होगा कि राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी इतिहास के अब तक के सबसे पहले ऐसे राष्ट्रपति हैं जिन्होंने अपने बड़बोलेपन,घातक व अगंभीर निर्णयों से अमेरिका की छवि को गहरा धक्का पहुँचाया है। जब जिस देश पर चाहे मनमाना टेरिफ़ लगाकर अन्य देशों को विचलित करना,कभी कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बता देना,कभी वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरै व उनकी पत्नी का जबरन अपहरण कर लेना कभी ग्रीन लैंड पर क़ब्ज़े की बात करना कभी क्यूबा पर हमला करने की बातें कर दूसरे देशों की संप्रभुता को ठेंगा दिखाना तो कभी ईरान युद्ध को लेकर बुरी तरह फंसने के बाद युद्ध से बाहर निकलने के लिये तरह तरह के झूठ बोलना व बहाने तलाशना और सोने पर सुहागा यह कि एप्सटीन फ़ाइल्स में ट्रंप जैसों का नाम आने के बाद इनकी बौखलाहट का और अधिक बढ़ जाना इस नतीजे पर पहुँचने के लिये काफ़ी है कि ट्रंप की हठधर्मिता ने अमेरिकी प्रभुत्व की वैश्विक धारणा को पूरी तरह धराशाई कर दिया है।

1 अप्रैल – अप्रैल फूल दिवस हँसी की संस्कृति और संवेदनशीलता का संतुलन

▪ स्मार्ट हलचल

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

अप्रैल की पहली सुबह, दोस्त ने खेला दांव,
बोला "तेरा इनाम आया", मैं दौड़ा सीधा गांव।
खोला जब वो पैकेट, निकली उसमें हवा,
सब हँसने लगे जोर से, मैं रह गया दंग-भला।
फिर मैंने भी चाल चली, बदला लिया झट से,
अप्रैल फूल बना दिया, उसे ही उसी वक्त में।।

आधुनिक जीवन की आपाधापी में जब मनुष्य निरंतर तनाव, प्रतिस्पर्धा और मानसिक दबाव से जूझ रहा है, ऐसे समय में 1 अप्रैल का दिन एक हल्की मुस्कान लेकर आता है। सामान्यतः इसे मज़ाक और छल के दिन के रूप में देखा जाता है, लेकिन यदि हम गहराई से विचार करें तो यह दिन केवल हास-परिहास का अवसर नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक व्यवहार और संवेदनशीलता की परीक्षा भी है। हर वर्ष 1 अप्रैल को दुनिया भर में 'अप्रैल फूल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन लोग एक-दूसरे के साथ हल्के-फुल्के मज़ाक, शरारतें और हास्यपूर्ण छल करके हँसी का वातावरण बनाते हैं। हालांकि इसका मूल स्रोत यूरोप से जुड़ा माना जाता है, लेकिन समय के साथ यह परंपरा भारत में भी अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक रंगत के साथ रच-बस गई है।

हँसी मानव जीवन की सबसे सहज और प्रभावशाली औषधि है। यह न केवल मन को हल्का करती है, बल्कि संबंधों को भी सुदृढ़ बनाती है। एक स्वस्थ समाज वही होता है जहाँ लोग हँसना जानते हों, एक-दूसरे के साथ सहजता से जुड़ सकें। किंतु समस्या तब उत्पन्न होती है जब हास्य अपनी मर्यादा खो देता है और व्यंग्य या उपहास का रूप ले लेता है। किसी की भावनाओं को ठेस पहुँचाकर प्राप्त की गई हँसी वास्तव में संवेदनहीनता का परिचायक होती है।

आज सोशल मीडिया के दौर में "एप्रिल फूल" का स्वरूप और भी व्यापक हो गया है। डिजिटल मंचों पर फैलाए जाने वाले झूठे संदेश, भ्रमित करने वाली सूचनाएँ और अनर्गल मज़ाक कभी-कभी गंभीर परिणाम भी उत्पन्न कर देते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम इस दिन को केवल मनोरंजन तक सीमित रखें, न कि किसी के आत्मसम्मान को आहत करने का माध्यम बनाएं।

यह दिन हमें यह भी सिखाता है कि जीवन में हल्कापन कितना आवश्यक है। गंभीरता और जिम्मेदारियों के बीच यदि थोड़ी-सी मुस्कान शामिल हो जाए, तो जीवन अधिक संतुलित और सुखद बन सकता है। हमें अपने भीतर उस बालसुलभ सरलता को जीवित रखना चाहिए, जो बिना किसी छल के, निष्कपट हँसी में प्रकट होती है।

अतः 1 अप्रैल का वास्तविक संदेश यही है कि हम हँसी को जीवन का हिस्सा बनाएं, परंतु उसे संवेदनशीलता, मर्यादा और सम्मान के साथ जीएँ। यही संतुलन हमें एक बेहतर इंसान और एक स्वस्थ समाज की ओर ले जाएगा।भारतीय संदर्भ में 'अप्रैल फूल' केवल मज़ाक तक सीमित नहीं, बल्कि यह सामाजिक व्यवहार का एक ऐसा पहलू बन गया है जिसमें रिश्तों की सहजता, अपनापन और हंसी की मिठास झलकती है। भारत जैसे विविधता भरे देश में, जहां त्योहारों और उत्सवों की भरमार है, वहां यह दिन औपचारिक पर्व न होते हुए भी जन-जीवन में हंसी और हल्केपन का अवसर लेकर आता है।

भारत में 'अप्रैल फूल' मनाने का तरीका अपेक्षाकृत सौम्य और मर्यादित होता है। यहाँ मज़ाक की सीमा इस बात से तय होती है कि किसी की भावनाएं आहत न हों। बच्चों से लेकर युवाओं तक, और अब तो सोशल मीडिया के माध्यम से बड़े-बुजुर्ग भी इसमें भाग लेते हैं। व्हाट्सएप संदेश, नकली खबरें (जो बाद में मज़ाक के रूप में उजागर होती हैं), और दोस्तों के बीच छोटी-छोटी शरारतें इस दिन की पहचान बन गई हैं।

दिलचस्प बात यह है कि भारत में पहले से ही हास्य और व्यंग्य की समृद्ध परंपरा रही है,चाहे वह लोककथाओं में हो, जैसे तेनालीराम और बीरबल की चतुराई, या फिर आधुनिक समय में हास्य कविताओं और व्यंग्य लेखन में। 'अप्रैल फूल' उसी परंपरा का एक हल्का-फुल्का विस्तार प्रतीत होता है। लेकिन इस दिन का एक सामाजिक संदेश भी है। हँसी तनाव को कम करती है, रिश्तों को मजबूत बनाती है और जीवन की जटिलताओं को सरल बनाने में मदद करती है। यदि यह दिन मर्यादा और संवेदनशीलता के साथ मनाया जाए, तो यह न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हो सकता है।अंततः, 'अप्रैल फूल दिवस' हमें यह सिखाता है कि जीवन की गंभीरता के बीच थोड़ा सा हास्य और मुस्कान भी उतनी ही आवश्यक है।कर दिया है।

श्री वीर शिरोमणि पटेल साँगा जी गुर्जर महाराज के नाम भजन संध्या का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न

▪ स्मार्ट हलचल

सांगोद / कुन्दनपुर रोड, साँगा चौराहा - कल रात्री को साँगा चौराहा, अदालत के पास, कुन्दनपुर रोड पर श्री वीर शिरोमणि पटेल साँगा जी गुर्जर के नाम एक विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष शामिल हुए और साँगा जी की भजन संध्या का आनंद लिया।

श्री साँगा जी गुर्जर महाराज एक महान वीर योद्धा थे जिन्होंने अपनी वीरता का परिचय धड़ से सर अलग होने के बाद भी दुश्मनों से हार न मानी, जिन्होंने अपने जीवन को सांगोद बसाने के लिए समर्पित किया था। उनके गौरवशाली इतिहास और उनकी वीरता को याद करते हुए, इस भजन संध्या का आयोजन किया गया था। इस भजन संध्या के माध्यम से शाषन प्रशासन को संदेश दिया गया कि यह सांगोद मांगे साँगा चौराहा की मांग पूरी न होगी तथा चौराहा नामकरण न होगा तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

महिलाओं एवं पुरुषों द्वारा साँगा जी के भजनों पर डांस किया गया। भजन संध्या का श्री गणेश रात्रि 9 बजे से शुरू हुआ तथा समापन रात्रि 12 बजे 101 दीपो से सामुहिक महाआरती करके और प्रसाद वितरण करके किया गया।

भावपूर्ण समापन के साथ साँगा जी की भजन संध्या का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस भजन संध्या में कलाकारो द्वारा श्री साँगा जी महाराज का गौरवशाली इतिहास का गुणगान किया गया। इस आयोजन में जयलाल सुमन, महावीर गुर्जर एंड पार्टी कलाकारो ने प्रस्तुति दी।

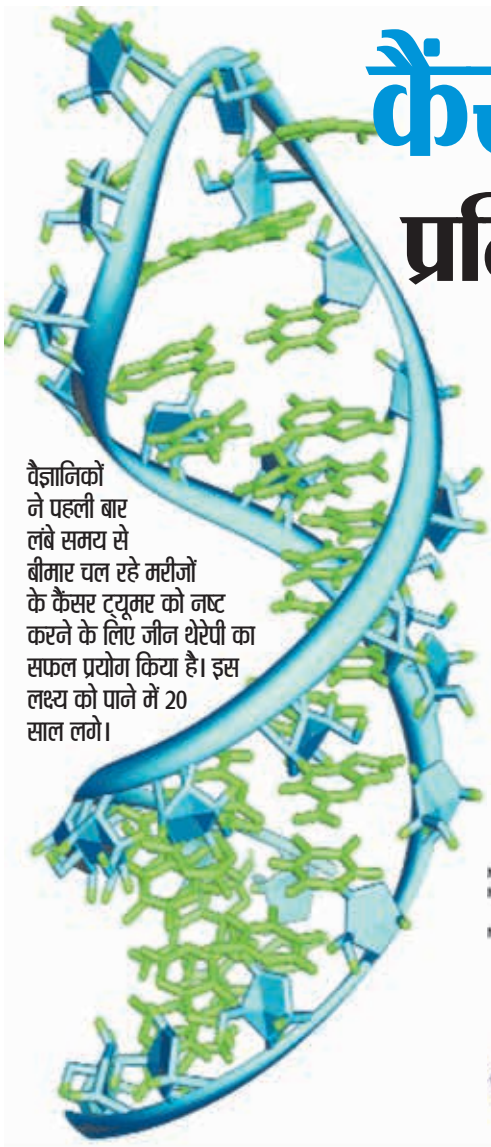

कैंसर से लड़ेंगी प्रतिरोधी कोशिकाएं

वैज्ञानिकों ने पहली बार लंबे समय से बीमार चल रहे मरीजों के कैंसर ट्यूमर को नष्ट करने के लिए जीन थेरेपी का सफल प्रयोग किया है। इस लक्ष्य को पाने में 20 साल लगे।

अमेरिका में पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पैथोजन से लड़ने वाले मरीजों की अपनी टी कोशिकाएं बनाईं, जिसका लक्ष्य ल्यूकिमिया कोशिकाओं की सतह पर मिले कणों से लड़ना था। बदली हुई टी कोशिकाओं को शरीर के बाहर विकसित किया गया और उसके बाद क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया से बीमार मरीजों के शरीर में वापस डाला गया। यह बीमारी खून और बोन मैरो को प्रभावित करती है और ल्यूकिमिया का बहुत आम रूप है।

परीक्षण का पहला चरण

नई थेरेपी की मदद से कैंसर के तीन मरीजों को जीवनदान मिला। इसने प्रतिरक्षी कोशिकाओं को ट्यूमर किलर में बदल दिया। पहले चरण के ट्रायल में भाग लेने वाले दो मरीजों की हालत पिछले एक साल से सुधर रही है। तीसरे मरीज के शरीर ने अच्छी प्रतिक्रिया दी है और उसका कैंसर नियंत्रण में

है। अगला बड़ा चरण शुरू करने से पहले शोधकर्ता क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया के शिकार चार और मरीजों का उपचार करना चाहते हैं।

विकास के दौर में

ट्रायल के नतीजों ने वैज्ञानिकों को हैरत में डाला, हालांकि जीन थेरेपी अभी भी विकास के दौर में है। पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के पेरेलमन मेडिसीन स्कूल के डॉ. माइकल कैलोस के अनुसार हमने टी-सेल की सतह पर एक कुंजी डाली, जो उस ताले के साथ फिट बैठती है, जो सिर्फ कैंसर की सेलों में होता है। इलाज के नतीजे दूसरे प्रकार के कैंसरों के इलाज का भी रास्ता सुझाते हैं। इसमें फेफड़े और अंडाशय का कैंसर भी शामिल है। शोध के नतीजे न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसीन और साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसीन पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए हैं। कैलोस ने कहा है कि एडॉप्टिव टी-सेल ट्रांसफर के नाम से जाने, जाने वाले पिछले प्रयास या तो इसलिए विफल हो गए कि टी-सेलों की प्रतिक्रिया बहुत कमजोर थी या फिर इसलिए कि वे सामान्य ऊतकों के लिए अत्यंत विषैले थे।

कैंसर इलाज की नई तकनीक

यह तकनीक कैंसर के इलाज की दूसरी तकनीकों से अलग है। यह ट्यूमर का मुकाबला करने के लिए शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को काम में लाती है। अब आप इम्यून रेस्पांस करवाने की कोशिश छोड़िए, हम आपको इम्यून रेस्पांस दे रहे हैं।

इलाज की नई प्रणाली सुरक्षित मालूम होती है, लेकिन शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी और परीक्षण किए जाने की जरूरत है। पहले चरण के ट्रायल में ल्यूकिमिया के मरीजों को प्रतिरक्षा बढ़ाने वाली दवा दी गई, क्योंकि लक्षित अणु सीडी 19 सामान्य प्रतिरक्षा सेलों पर भी होता है। जीन थेरेपी के लिए शोधकर्ताओं ने एक वायरस का इस्तेमाल किया, जो कोशिकाओं को सिर्फ एक बार संक्रमित कर सकता है। लगभग दो सप्ताह बाद मरीजों ने ट्यूमर लाइसिसि सिंड्रोम का अनुभव करना शुरू किया। इसमें कंपकंपी, मितली और बुखार के लक्षण दिखाई देते हैं, जो कैंसर की मरती कोशिकाओं से पैदा होने वाले उत्पादों के कारण पैदा होते हैं।

नए टी-सेल

नए विकसित टी-सेल बाद के कई महीने तक मरीजों के खून में पाए गए। उनका एक हिस्सा मेमोरी सेलों में बदल गया, जो कैंसर के फिर से होने से सुरक्षा कर सकता है। पोर्टलैंड ओरेगन के कैंसर सेंटर के डॉ. वाल्टर ऊरबा चेतावनी देते हैं कि सक्रिय टी-सेलों और मेमोरी सेलों की उपस्थिति दूसरे प्रकार के कैंसरों के लिए समस्या पैदा कर सकती है, जहां सामान्य कोशिकाओं पर विषैला असर और गंभीर हो सकता है। जीन थेरेपी के ट्रायल पर सारा खर्च शैक्षणिक समुदाय से आया है।

फेफड़ों के कैंसर को रोकेगी जालकोरी

फेफड़ों के कैंसर की नई दवा जालकोरी उपयोगी साबित होगी। अमेरिका के औषधि प्रशासन विभाग ने गोली को मंजूरी दे दी है।

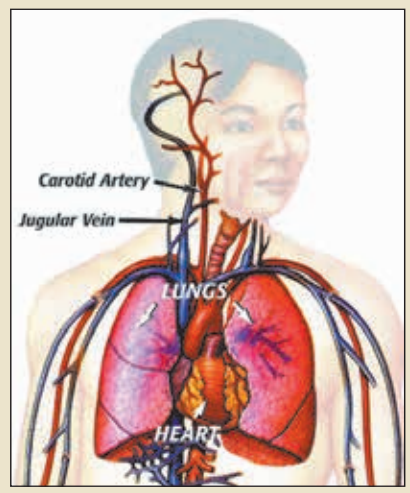

अमेरिका के खाद्य एवं औषध प्रशासन ने फेफड़ों के कैंसर से बचाव करने और ट्यूमर के विकास को रोकने वाली दवा को मंजूरी दी है। जालकोरी नामक यह गोली जीन पर हमला कर उपचार करती है। प्रमुख दवा कंपनी फाइजर द्वारा निर्मित जालकोरी नामक यह गोली कैंसर पीड़ितों के शरीर में जीन पर हमला कर उपचार करती है। इससे उन कैंसर मरीजों का इलाज संभव होगा, जिनके शरीर में एक असाधरण जीन मौजूद होती है, जिससे कैंसर कोशिकाएं बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर विकसित होता रहता है। येल विश्वविद्यालय में कैंसर चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. रॉय हर्बस्ट का कहना है यह एक आणविक चिकित्सा का उदाहरण है। अब ऐसी थेरेपी विकसित हो चुकी है, जो कीमोथेरेपी से भी बेहतर है और ट्यूमर को खत्म करने में सहायक सिद्ध हो सकती है। खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) का कहना है कि करीब तीन चौथाई रोगियों की जांच ट्यूमर विकसित होने के बाद हो पाती है। साथ ही इनमें से मात्र छह प्रतिशत लोग पांच साल तक जीवित रह पाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जालकोरी फाइजर के लिए एक ब्लॉकबस्टर उत्पाद सिद्ध हो सकता है। पिछले हफ्ते खाद्य एवं औषध प्रशासन ने एक और ऐसी दवा को मंजूरी दी है, जो जीन में परिवर्तन कर कैंसर का इलाज करती है।

अगर आपके फिगर की मोटाई अधिक है तो आप सावधान हो जाइये। इससे आपकी याददाश्त भी जा सकती है।

बड़ी फिगर से खो सकती है याददाश्त

एक नए शोध के अनुसार किसी महिला की फिगर उसकी याददाश्त को प्रभावित कर सकती है। अमेरिका में शोधकर्ताओं ने पाया कि बूढ़ी महिलाओं का वजन अधिक हो तो उनकी याददाश्त कमजोर होती है, लेकिन अगर नितंबों का वजन अधिक है तो यह याददाश्त को बहुत अधिक प्रभावित करती है।

अन्य बीमारियों का खतरा

विशेषज्ञों का मानना है कि कमर के आसपास वजन बढ़ने से कैंसर, डायबिटीज और दिल की बीमारियों के बढ़ने का खतरा रहता है। यह शोध जर्नल ऑफ द अमेरिकन गेरियाट्रिक्स सोसायटी में छपा है, जिसमें अच्छे दिमाग के लिए सही वजन होने की महता बताई गई है।

वजन घटने से खतरा कम

हालांकि शोध में यह भी कहा गया है कि अगर नितंबों का वजन बहुत अधिक न हो यानी थोड़ा सा ही अधिक हो तो इससे दिमाग की सुरक्षा भी होती है। शोधकर्ता मानते हैं कि महिलाओं में पेट के आसपास जमा होने वाली वसा ओस्ट्रोजन हार्मोन बनाती है, जिसका बनना मीनोपॉज के बाद कम हो जाता है। ओस्ट्रोजन हार्मोन दिमाग के लिए मददगार होती है। यह शोध 65 से 79 साल की 8,745 महिलाओं पर किया गया। इन महिलाओं की याददाश्त की परीक्षा ली गई। इनमें से अधिकतर महिलाओं का वजन अधिक था और उनके बॉडी मास इंडेक्स का भी माप लिया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जैसे जैसे बॉडी मास इंडेक्स बढ़ता है, वैसे वैसे उनकी याददाश्त कम होती जाती है। इस शोध में उन महिलाओं की याददाश्त सबसे खराब पाई गई, जिनकी कमर छोटी और नितंब बड़े पाए गए। शोधकर्ताओं के प्रमुख डॉ. डायना करविन का कहना था, हमें ये देखना होगा कि कौन सी वसा दिमाग को किस तरह प्रभावित करती है।

रेडियेशन थेरेपी कैंसर की चिकित्सा का एक तरीका है जिसमें आयोनाइजिंग रेडियेशन नामक कणों का इस्तेमाल कैंसर के सेल्स को क्षति पहुंचाने के लिए होता है।

नए सेल्स नहीं बनने देती रेडियेशन थेरेपी

आयोनाइजिंग रेडियेशन कैंसर के सेल्स पर प्रहार करती है और उसके आनुवांशिक तत्व को नुकसान पहुंचा कर नए सेल्स को बनने नहीं देती । रेडियेशन थेरेपी के दौरान कैंसर के सेल्स के आसपास के सामान्य सेल्स को भी क्षति पहुंचती है लेकिन यह समय के साथ ठीक हो जाते हैं। रेडियेशन थेरेपी बाह्य रूप से एक्स रे बीम्स के रूप में गामा रेज या सब एटामिक पार्टिकल्स के रूप में दी जाती है। बाह्य रूप से रेडियेशन देने की प्रक्रिया में 5 से 15 मिनट लगते हैं और इसमें दर्द नहीं होता ।

कुछ नए तरीके

चिकित्सा कितनी बार दी जानी है यह हर व्यक्ति के लिए अलग अलग होता है। कुछ स्थितियों में चिकित्सा में कई हफ्ते लग जाते हैं। आंतरिक रूप से भी रेडियेशन दिया जाता है। ऐसे में रेडियोऐक्टिव पदार्थों को शरीर की कैविटी के रख दिया जाता है या फिर ट्यूमर के सेल्स के अन्दर रखा जाता है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव को बढ़ाने के लिए अपनाये जाने वाले कुछ नए तरीके हैं –

- **कनफार्मल बीम तकनीक:** कई बीम से एक ही समय रेडियेशन भी ली जा सकती है। ऐसा करने से रेडियेशन ट्यूमर के सेल्स पर एकत्रित हो जाता है और सामान्य टिश्यूज को कम प्रभावित करता है।
- **इन्ट्राआपरेटिव रेडियेशन थेरेपी** : सर्जरी के दौरान ट्यूमर पर रेडियेशन दी जाती है।
- **रेडियेसेंसिटाइजर्स:** यह ड्रग्स कैंसर के सेल्स पर रेडियेशन के प्रभाव को बढ़ाते हैं।
- **रेडियोप्रोटेक्टर्स:** यह ड्रग्स सामान्य सेल्स को रेडियेशन के द्वारा हुई क्षति से बचाते हैं जबकि आसपास के कैंसर के सेल्स क्षतिग्रस्त हो चुके होते हैं।
- **रेडियोइम्यूनोथेरेपी:** रेडियोएक्टिव पदार्थ एण्टीबाडीज से जुड़े होते हैं जो कि रक्षात्मक रासायन होते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा बनाये जाते हैं। यह एण्टीबाडीज कैंसर के सेल्स को प्रभावित करते हैं । हमारे शरीर के एण्टीबाडीज नान कैंसरस, स्वस्थ सेल्स को प्रभावित नहीं करते हैं इसलिए इससे ट्यूमर के बाहर रेडियेशन से होने वाली क्षति का खतरा कम होता है ।

रोग की चिकित्सा

बाह्य / एक्सटर्नल रेडियेशन थेरेपी शुरू करने से पहले रेडियेशन विशेषज्ञ चिकित्सा की योजना बनाता है। वह यह भी निर्धारित करता है कि मरीज़ को किस प्रकार की रेडियेशन और कितने सेशन देने हैं । आप शुरूआती सेशन में भाग ले सकते हैं। चिकित्सक सबसे पहले उस जगह पर निशान बनाता है जहां पर कि रेडियेशन चिकित्सा देनी होती है। चिकित्सकीय क्षेत्र पर निशान अंकित करने के लिए आजकल छोटे गोल्ड सीड्स का इस्तेमाल किया जाता है जिन्हें कि फिड्यूकल्स कहते हैं। एक चिकित्सकीय सेशन से दूसरे चिकित्सकीय सेशन में जाने के लिए ट्यूमर पर रेडियेशन की बीम देने पर ज्यादा सावधानी की आवश्यकता होती है। इससे रेडिसेशन के फैलने का खतरा और सामान्य सेल्स को क्षति पहुंचने का खतरा कम हो जाता है। चिकित्सा के दौरान मरीज को अस्पताल का गाउन पहनने की आवश्यकता होती है। रेडियेशन थेरेपी के कमरे में आपको या तो चिकित्सा की टेबल पर लेटना होता है या विशेष कुर्सी पर बैठना होता है। आपकी त्वचा पर बनाये निशान से चिकित्सक उस जगह को निर्धारित कर सकेगा जहां पर रेडियेशन देनी है और शरीर के दूसरे भागों पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ेगा। थेरेपी लेने के दौरान आपका एक ही स्थिति में पड़े रहना जरूरी है। इसी कारण से आपके शरीर को एक सांचे में रखा जाता है। एक बार जबकि आप चिकित्सा के लिए तैयार हो जाते हैं तो रेडियेशन आनकोलाजिस्ट कमरे से बाहर निकलकर पास के कंट्रोल रूम में चला जाता है । यहां से चिकित्सक ट्रीटमेंट मशीन का प्रयोग कर एक खास खिड़की से आपकी निगरानी करता है। रेडियेशन थेरेपी के दौरान आप चिकित्सकीय मशीन की आवाज़ सुन सकते हैं और यह मशीन आपके इर्द गिर्द घूमती है । यह चिकित्सा 1 से 5 मिनट तक होती है और इसमें किसी प्रकार का दर्द भी नहीं होता । ट्रीटमेंट के कमरे में आपको 5 से 15 मिनट तक का समय लगता है । सामान्यत: यह चिकित्सा एक हफ्ते से कई हफ्तों तक की जाती है । अगर आप आंतरिक रेडियेशन थेरेपी करा रहे हैं तो आपकी चिकितसा थोड़ा अलग तरीके से होती है।

ब्रैकी थेरेपी

एक तरीका है ब्रैकीथेरेपी जिसे कि इन्टरस्टीशियल रेडियेशन थेरेपी भी कहते हैं । अगर आप यह प्रक्रिया करा रहे हैं तो आपको एनेस्थीसिया दिया जाता है तारों में मौजूद रेडियोएक्टिव पदार्थ या छोटे ट्यूब में पड़ा रेडियोएक्टिव पदार्थ मरीज के शरीर में ट्यूमर के स्थान पर सीधा आरोपित कर दिया जाता है। यह रेडियोएक्टिव आरोपण शरीर के अंदर रहता है या इसे कुछ समय बाद शरीर से निकाल दिया जाता है और यह बात भी कैंसर के प्रकार पर निर्भर करती है।

दूसरी प्रक्रिया जिसे कि इन्ट्राकैविटरी थेरेपी कहते हैं इसमें आपको जनरल या लोकल एनेस्थेटिक दिया जाता है और रेडियोएक्टिव पदार्थ को सीधा शरीर की कैविटी में आरोपित कर दिया जाता है। बाद में इसे निकाल भी दिया जाता है। पुराने समय से आज तक दोनों ही प्रकार की रेडियेशन थेरेपी में बदलाव आये हैं। जैसे कि रेडियेशन का स्रोत प्रोटोन भी हो सकते हैं। इस तकनीक में रेडियेशन बीम को सीधा मरीज पर केंद्रित किया जाता है। इससे अधिक मात्रा में रेडियेशन टिश्यूज तक पहुंच जाती है और यह सामान्य सेल्स को कम नुकसान पहुंचाती है ।

वितरण की नयी तकनीक को देखते हुए एक्स रे इमेजिंग तकनीक का प्रयोग भी विस्तार से हो रहा है । ऐसे दो तरीके हैं–

- **थ्री डाइमेंशनल कनफार्मल रेडियेशन और इन्टेंसिटी माडूलेटेड रेडियेशन** : इसका ध्येय है ट्यूमर सेल्स में रेडियेशन की सही मात्रा देना जिससे कि सामान्य सेल्स को किसी प्रकार की क्षति ना पहुंचे ।
- साइबरनाइफ थेरेपी अधिक मात्रा में रेडियेशन थेरेपी देती है और इसे छोटे अंतराल पर देना होता है। ऐसे में बहुत ही सटीक मात्रा में रेडियेशन की डोज देनी होती है। कुछ स्थितियों में रेडियेशन चिकित्सा में कुछ हफ्ते लग जाते हैं और बीमारी ठीक हो जाती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

चिकित्सक कुछ शरीरिक जांच, स्कैन, एक्स रे, रक्त जांच करके रेडियेशन थेरेपी का पता लगाने की कोशिश करेंगे । आपके निश्चित प्रकार की फोलो अप और जांच से यह पता चलेगा कि रेडियेशन थेरेपी की आवश्यकता है या नहीं । इस जांच से ट्यूमर की स्थिति का पता चलेगा और यह भी पता चलेगा कि कैंसर कितना फैल चुका है। रेडियेशन थेरेपी के बहुत से दूसरे अतिरिक्त प्रभाव हैं जो कि शरीर के उस क्षेत्र पर निर्भर करते हैं जिनकी चिकित्सा की जानी है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव कुछ इस प्रकार से हो सकते हैं जैसे कि थकान होना, बालों का झड़ना, त्वचा के रंग में परिवर्तन, भूख ना लगना, उलटियां आना, इन्फर्टिलिटी, स्टेरिलिटी, वैजाइनल ड्राइनेस। रेडियेशन थेरेपी से दूसरे प्रकार के कैंसर का भी डर रहता है।

रात के खाने में ना खाएं दही

हम सभी जानते हैं कि दही खाना सेहत के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही एक सुपर फूड है, जिसे हर दिन खाया जा सकता है और यह सेहत को सिर्फ एक नहीं अनेक तरीकों से लाभ पहुंचाती है। पाचन से लेकर त्वचा और बाल सबको हेल्दी रखती है। इस विषय पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है। आज हम इस विषय पर बात करेंगे कि आखिर रात के खाने में दही खाने को क्यों मना किया जाता है.

लाभकारी दही हानि क्यों करने लगती है?

- आपने अपने पैरंट्स से अक्सर सुना होगा कि रात के समय दही या दही से बना रायता नहीं खाना चाहिए। लेकिन आज कल शादी-पार्टीज में यह ट्रेंड है कि आप रात के 12 बजे भी डिनर ले रहे होंगे तो आपको रायता जरूर मिलेगा खाने में.। खैर, सर्व करनेवाले तो सर्व करते है। यह तो आपको निर्णय लेना है कि रात में रायता या दही खाकर आप बीमार पड़ना चाहते हैं या नहीं।
- दही पाचनतंत्र को ऊर्जा देने का काम करती है। साथ ही हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। लेकिन यदि दही का सेवन रात में किया जा तो पाचनतंत्र भी डिस्टर्ब होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है।

पाचकाग्नि को मंद हो जाती है

- अब आपके मन में यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर रात में दही खाने पर ऐसा क्या हो जाता है? तो जान लीजिए कि रात को दही खाने पर पाचनतंत्र मंद हो जाता है। आयुर्वेद की भाषा में बात करें तो जठराग्नि मंद हो जाती है और शरीर की वायु कुपित हो जाती है। इस कारण रात में दही का सेवन करने पर हाथ, पैर, सिर, कमर या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है।

जुकाम लगा सकती है दही

- इसके साथ ही दही खाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता पर इस लिए बुरा असर पड़ता है, क्योंकि दही तासीर में ठंडी होती है। यदि रात में दही खाई जाती है तो शरीर में कफ की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। इससे गले में दर्द, खराश, बलगम वाली खांसी, सिर में भारीपन, जुकाम आदि की समस्या हो सकती है।

जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है

- जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की शिकायत होती है यदि वे लोग रात के समय दही खाना शुरू कर दें तो यकीन मानिए कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब उनके जोड़ों का दर्द इस कदर बढ़ जाएगा कि दिन-रात का चैन खो सकता है।

सो नहीं पाते ऐसे लोग

- जिन लोगों को अस्थमा की शिकायत है, उन्हें रात के समय भूल से भी दही का सेवन नहीं करना चाहिए। नहीं रात के समय अस्थमा अटैक के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है। हालांकि सभी लोगों को इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए खट्टी दही और मीठी दही दोनों के शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होते हैं। लेकिन रात के समय आपको किसी भी प्रकार की दही लेने से बचना चाहिए।

आ सकता है बुखार

- रात के समय दही खाना आपको बुखार आने का कारण भी बन सकता है। इसकी वजह ऊपर बताए गए कारणों को मिलाकर तैयार हो जाती है। क्योंकि शरीर में पित्त और वायु का कुपित होना, जुकाम लगना, शरीर में दर्द होना जैसी समस्याएं शरीर के सामान्य तापमान को स्थिर नहीं रहने देती हैं। इससे बुखार आने की समस्या हो सकती है।

रात को दही खाने से बढ़ती है सूजन

- रात को दही खाने से शरीर में सूजन बढ़ने की समस्या बढ़ सकती है। क्योंकि रात में दही का सेवन करने से पित्त की मात्रा में बढ़ोतरी हो सकती है, जो आपके शरीर में सूजन बढ़ाने का काम करेगा।
- अगर आपके शरीर में सूजन की समस्या पहले से है या कोई चोट लगी हुई है तो रात के समय दही खाना आपके शरीर को अंदर से कमजोर करने का काम करेगा। इससे आपके शरीर में दर्द और पीड़ा कई गुना बढ़ सकती है।

जरूरी नहीं अगले दिन ही दिखे रिजल्ट

- अगर आपको लगता है कि आपने तो रात को दही खाई थी, आपको तो कोई समस्या नहीं हुई। तो यह जरूरी नहीं है कि आपने रात में दही खाई है तो अगले दिन सुबह के समय ही आपके शरीर में बीमारी के लक्षण दिखने लगेंगे। ये लक्षण दिन में किसी समय, अगली रात में या एक-दो दिन बाद भी नजर आ सकते हैं।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हर किसी की रोग प्रतिरोधक क्षमता अलग-अलग होती है। एक तरफ जहां किसी में एक बार रात को दही खाने के बाद कुछ ही घंटे में तबीयत खराब हो सकती है तो किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में इसका असर 3 दिन बाद भी दिख सकता है।

हरा साग जैसे पालक क्लॉटिंग रोकने वाली वार्फरिन या कुमारिन दवाओं के असर को काफी हद तक कर देता है बेअसर इसलिए ऐसे लोग जो इन दवाओं को प्रयोग करते हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि हरा साग न खाएं।

खून के थक्के बनने से रोकने की दवा लेते हैं तो न खाएं हरा साग

जिन रोगियों में खून के असामान्य थक्कों के बनने और खून जमने की समस्या होती है, उन्हें एक विशेष दवा के सेवन के कारण कई बार हरा साग खाने से मना किया जाता है। यह दवा वार्फरिन है। यह और इसके जैसी अनेक दवाएं, जिन्हें कुमारिन-परिवार की दवाएं कहते हैं, विटमिन-के का प्रतिरोध करती हैं। इम्यूनोलॉजिस्ट एवं यूमैटॉलजिस्ट कहते हैं, विटमिन-के का काम खून की क्लॉटिंग से होता है। यह विटमिन यकृत में जमा होता है और इसी कारण हमारा खून सही ढंग से जमता है। यह विटमिन शरीर में क्लॉटिंग फैक्टरों का निर्माण करता है। विटमिन-ख न हो तो न जाने कितने ही लोगों की रक्तस्राव से मौत हो जाए, लेकिन फिर अनेक रोगियों में खून का जमना हानिकारक हो जाता है। मान लीजिए किसी रोगी में हृदयवॉल्व की सर्जरी हुई है या उसे कोई ऐसा रोग है, जिसमें खून बार-बार और जल्दी-जल्दी जमा करता है। ऐसे में अगर विटमिन-के का प्रतिरोध न किया गया, तो फिर खून का लगातार जमना हानिकारक या कभी-कभी जानलेवा साबित होगा। इसलिए ऐसे रोगियों में खून को पतला करने वाली दवाएं चलाई जाती हैं। इन्हीं दवाओं में कुमारिन-परिवार की सदस्य दवाएं भी शामिल हैं, जिनमें वार्फरिन प्रमुख है। हरा साग विटमिन-के का प्रमुख स्रोत है। इसे खाने से शरीर को विटमिन-ख की प्राप्ति होती है। लेकिन फिर जिन रोगियों को विटमिन-ख नहीं चाहिए या जिनके लिए विटामिन-के की प्रचुरता हानिकारक है, वे क्या करें? वह ब्लड की क्लॉटिंग (स्तम्भन) को रोकने के लिए वार्फरिन जैसी दवाओं पर निर्भर रहते हैं। और हरे साग का सेवन वार्फरिन को समुचित कार्य करने से रोकेगा।

आयरन की गोलियां खाएं

इसलिए डॉक्टर की सलाह होती है कि अगर आप वार्फरिन या अन्य कुमारिन-दवाएं खाते हैं, तो हरा साग कम-से कम खाएं या न खाएं। हां, यह जरूर है कि ऐसा करने से आपको आवश्यक आयरन नहीं मिलेगा और अनीमिया की आशंका बढ़ जाएगी, लेकिन ऐसी परिस्थिति में वार्फरिन के साथ हरे साग की बजाय आयरन की गोलियों का सेवन कहीं बेहतर है।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

खर्राटों की समस्या से निजात दिलाएगा चुंबक

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चंबुकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण-प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है। इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा।

यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगतीं। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियों जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबंध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन् और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लैकेनहोर्स्ट ने कहा, हरी पत्तेदार सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबंधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन-के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

घुटने का दर्द हो जाएगा छूमंतर ट्राय करें यह देसी नुस्खा

बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहां पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।

क्यों होता है घुटनों में दर्द?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नींबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।

एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com